RNI-RAJBIL/2009/32418

Vol: 7, Issue : 2, July-December 2015

Samvahini

Half Yearly Newsletter | Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

Silver Jubilee Celebration Special Issue

www.jvbi.ac.in

जैन विश्वभारती संस्थान की ओर से डॉ. अनिल धर, कुलसचिव, जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा गिरधर ऑफसेट प्रिण्टर्स, लाडनूं में मुद्रित एवं जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान) में प्रकाशित। सम्पादक- डॉ. समणी आगम प्रज्ञा

CELEBRATING 25 YEARS OF
SPREADING VALUE EDUCATION
1991 - 2015

A graded by NAAC

NAAC Re-accredited 'A' Grade Certificate

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the National Assessment and Accreditation Council on the recommendation of the duly appointed Peer Team is pleased to declare the Jain Vishva Bharati Institute (Deemed to be University u/s 3 of the UGC Act, 1956) Ladnun, Dist. Nagaur, Rajasthan as Accredited With CGPA of 3.11 on the four point scale at A grade valid up to July 07, 2018

Date : July 08, 2013

Director

Samvahini

वर्ष-7, अंक-2
जुलाई-दिसम्बर, 2015
जैन विश्वभारती संस्थान
(अर्द्धवार्षिक समाचार पत्र)

संरक्षक
समणी चारित्रप्रज्ञा
कुलपति

सम्पादक
डॉ. समणी आगम प्रज्ञा

सह-सम्पादक
समणी सम्यक्त्व प्रज्ञा

कम्प्यूटर एण्ड डिजाईन
पवन सैन

कार्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं - 341306
नागौर, राजस्थान
दूरभाष : (01581) 226110 226230
फैक्स : (01581) 227472
E-mail : jvbiladnun@gmail.com
Website : www.jvbi.ac.in

सम्पादकीय

अतीत को प्रणत आज, शुभ भविष्य का आगाज

परम हर्ष का विषय है कि जैन विश्व भारती संस्थान 25 बसंत की गरिमापूर्ण, प्रभावशाली और उपलब्धि परक यात्रा को परिसंपन्न कर उन्नति की नई रेखा अंकित करने 26वें वर्ष की दहलीज पर दस्तक दे रहा है।

25 वर्षों का स्वर्णिम काल। इस अवसर पर रजत जयंती वर्ष के समुत्सव की योजना। परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमण के पावन आशीर्वाद से इस गुरुतर कार्य का दायित्व बोध मातृ संस्था को प्राप्त हुआ। संस्थान के अनुशास्ता परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमण की कुशल अनुशासना और मातृ संस्था जैन विश्व भारती के उत्साही, कर्मठ अध्यक्ष श्री धर्मचन्द लुंकड़ की अध्यक्षता में देश में समायोजित तेरह चरण और विदेश में आठ चरण संस्थान के अभ्युत्थान में मील का प्रस्तर बन विकास की नूतन संभावनाओं को उजागर करने में हेतुभूत बने।

4 अक्टूबर को प्रथम बार विदेशी धरा विराटनगर नेपाल में आयोजित संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह एवं रजत जयंती विराटनगर चरण में परम पूज्य अनुशास्ता का पावन सान्निध्य एवं नेपाल सरकार के वित्त मंत्री श्री रामसरण महत की गरिमामयी उपस्थिति संस्थान के लिए गौरव का क्षण रही।

विनम्र प्रणति अनुशास्ता के प्रति जिनका मंगल पाथेय - ''रजत जयंती वर्ष समारोह खूब निर्बाध रूप से आयोजित हो, विश्वविद्यालय को और ज्यादा प्रतिष्ठित होने का मौका मिले'' रजत जयंती वर्ष के सभी चरणों की सफलता का मूल मंत्र बना। परम पूज्य अनुशास्ता के महनीय मार्गदर्शन से संस्थान में और अधिक उजले अध्यायों का समावेश हो, ऐसी मंगल कामना है।

यह संस्थान आभारी है मातृ संस्था के अध्यक्ष एवं रजत जयंती वर्ष समारोह के मुख्य संयोजक श्री धरमचंद लुंकड़ और उनकी सशक्त, समर्पित टीम के प्रति जिनके अनन्य सहयोग, उत्साह और उमंग से रजत जयंती वर्ष का हर चरण सार्थक, सफल और फलदायी बना।

यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि माननीया कुलपति महोदया समणी चारित्रप्रज्ञा के सबल एवं सक्षम नेतृत्व में और संस्थान के सभी सदस्यों के उत्साह वर्धक सक्रिय सहभागिता से रजत जयंती वर्ष समारोह संस्थान के इतिवृत में स्वर्णिम दस्तावेज बन गया।

रजत जयंती वर्ष समारोह विशेषांक के रूप में प्रकाशित 'संवाहिनी' का यह विशिष्ट अंक देश-विदेश में आयोजित रजत जयंती के विविध चरणों का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करने में महत्त्वपूर्ण आलेख बन सकेगा। इस शुभ भावना के साथ -

'रजत जयंती' उत्सव अनुपम
है अभिनव इतिहास रचाया
गुरु शक्ति से सफल सफर ने
विजय-पताका को फहराया।
'मातृ संस्था' की दूर दर्शिता
सृजन सोच पग-पग सहकारी
उदार हृदय हित-चिंतन का
संस्थान रहेगा चिर आभारी।।

- डॉ. समणी आगम प्रज्ञा

णाणस्स सारमायारो

CELEBRATING 25 YEARS OF
Spreading Value Education
1991-2015

Years of Spreading Value Education

आचार्य महाश्रमण

अनुशास्ता
जैन विश्व भारती संस्थान

अमृत संदेश

परम पूज्य गुरुदेव तुलसी का एक महत्त्वपूर्ण अवदान है जैन विश्व भारती। मुझे लगता है यह संस्था तेरापंथ समाज के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। इसे कामधेनू कहा गया है और इसे जयकुंजर भी कहा जा सकता है। जैन विश्व भारती ने विकास किया और जैन विश्व भारती से जुड़ा हुआ मेरी दृष्टि में जैन विश्व भारती का सुपुत्र है जैन विश्व भारती इन्स्टीट्यूट (मान्य विश्वविद्यालय)। मान्य विश्वविद्यालय को भी गुरुदेव श्रीतुलसी से जुड़ा हुआ एक महान अवदान कहा जा सकता है। इसके प्रथम अनुशास्ता गुरुदेव श्री तुलसी रहे। इसके दूसरे अनुशास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी रहे उनसे मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और वर्तमान में यह मान्य विश्वविद्यालय अपना रजत जयंती समारोह मनाने जा रहा है। 25 वर्षों की संपन्नता का एक अच्छा कालखंड होता है। मान्य विश्वविद्यालय को अतीत का सिंहावलोकन करना चाहिए और भविष्य की सुन्दर योजना बननी चाहिए, अपेक्षानुसार बनाई जानी चाहिए और चूंकि इसके नाम के साथ जैन शब्द जुड़ा हुआ है, जैन विद्या का अध्ययन, अध्यापन, शोध तो इस मान्य विश्वविद्यालय का केन्द्रीय तत्त्व रहना चाहिए।

मैं मंगलकामना करता हूँ कि यह रजत जयंती समारोह खूब निर्बाध रूप में आयोजित हो और विश्वविद्यालय को और ज्यादा प्रतिष्ठित होने का मौका मिले। इस विश्व विद्यालय के द्वारा जनोपकार का, विद्योपकार का कार्य होता रहे। जैन विश्व भारती का संरक्षण इसे प्राप्त होता रहे। जैन विश्व भारती और जैन विश्व भारती इन्स्टीट्यूट दोनों का आपस में ऐक्य बना रहे, दोनों संस्था खूब विकास करें, खूब अच्छा काम करें।

मंगलकामना
आचार्य महाश्रमण

जैन विश्व भारती संस्थान गान

जैन विश्व भारती संस्थान
मानव मूल्यों का है उत्थान
आचरण में गूंजे ज्ञान
जैन विश्व भारती संस्थान।।

प्राच्य विद्या आराधना
सेवा शोध की साधना
संस्कार सुरक्षा इसकी शान
जैन विश्व भारती संस्थान।।

शिक्षा में जीवन विज्ञान
अहिंसा और प्रेक्षाध्यान
तुलसी महाप्रज्ञ वरदान
जैन विश्व भारती संस्थान।।

नारी शिक्षा का है सपना
कला साहित्य सर्जना
महाश्रमण युग भरे उड़ान
जैन विश्व भारती संस्थान।।

जैन विश्व भारती संस्थान.....

मूल्यों की शिक्षा से समाज व देश का निर्माण संभव - डॉ. संचेती

जैन विश्व भारती संस्थान के 25वें स्थापना दिवस 20 मार्च (शुक्रवार) को दो दिवसीय रजत जयंती समारोह का शुभारम्भ सुधर्मा सभा में हुआ। मुनिश्री सुखलालजी के सान्निध्य में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि पूना के संचेती इन्स्टीट्यूट फॉर आर्थोपेडिक्स एण्ड रिहेबिलिटेशन के संस्थापक पदमश्री, पदम विभूषण डॉ. के एच संचेती ने कहा जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में बच्चों को जो शिक्षा व संस्कृति सीखने को मिल रही है वह उनके लिए, उनके परिवार, समाज तथा पूरे देश के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह विश्वविद्यालय मूल्य परक शिक्षा के क्षेत्र में देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व स्तर पर अपने आप में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। समारोह के मुख्य वक्ता राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने कहा कि सपना देखना साधारण बात नहीं है। सपने देखने के लिए दृष्टा का भाव होना चाहिए। आचार्य तुलसी बहुत बड़े स्वप्न दृष्टा थे। उन्होंने विश्वविद्यालय का सपना देखा, उस सपने को सच में बदल दिया।

विशिष्ट अतिथि रिपब्लिक ऑफ यूनियन ऑफ कॉमरोस इन इण्डिया के कोन्सुल जनरल के.एल. गंजू ने अपने अभिभाषण में कहा कि यह संस्थान मूल्यपरक शिक्षा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मुंबई अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एस.के. जैन ने ने कहा मानव निर्माण के लिए जीवनोपयोगी शिक्षा की जरूरत है। इस जरूरत को पूरा करने में यह संस्थान महती भूमिका अदा कर रहा है। समारोह के अध्यक्ष कुलाधिपति बसंतराज भंडारी ने संस्थान को नैतिकता का बहुत बड़ा केन्द्र बताया। मुख्य वक्तव्य प्रदान करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों को रेखांकित करते हुए संस्थान की गति प्रगति पर प्रकाश डाला।

संस्थान के एल्युमिनि डॉ आलम अली सिसोदिया, डॉ मीना शर्मा ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के वीडियो संदेश को सुनाया गया। स्वागत भाषण जीवन विज्ञान एवं योग के विभागाध्यक्ष डॉ जे.पी.एन. मिश्रा ने दिया। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व माननीय कुलाधिपति, सम्मान्य कुलपति, जैन विश्व भारती के कुलपति श्री बच्छराज नाहटा एवं जैन विश्व भारती के अध्यक्ष और रजत जयंती समारोह के मुख्य सयोंजक श्री धर्मचन्द लुंकड़ सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। अतिथि परिचय डॉ. जुगलकिशोर दाधीच व आभार ज्ञापन कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समणी रोहित प्रज्ञा एवं अदिति सेखानी द्वारा किया गया।

अक्षर युग का विमोचन

जैन विश्व भारती संस्थान
के रजत जयंती समारोह के अवसर पर
प्रकाशित पुस्तक अक्षर युग का विमोचन अतिथियों द्वारा किया
गया। इस अवसर पर अन्य अनेक पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। विद्यार्थियों ने नृत्य, सामूहिक नृत्य, माईम, नाटक, गीत, कविता, एकांकी की मनोरंजक प्रस्तुतियां दी।

इस अवसर पर संस्थान के जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा योग का प्रदर्शन भी किया गया।

कवि संध्या

सुधर्मा सभा में आयोजित कवि संध्या में सुप्रसिद्ध टीवी फेम शैलेश लोढ़ा ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं का देर तक मनोरंजन किया। कार्यक्रम में कवि दिनेश दिगज उज्जैन, प्रदीप भोला, संजय झाला एवं अब्दुल गफार ने भी अपनी हास्य कविताओं से लोगों को अभिभूत किया।

हमारी बात आपके साथ

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों के साथ हमारी बात आपके साथ विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया। संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों ने रोचक अंदाज में सभी विभागों की उपलब्धियों एवं गतिविधियों से अवगत करवाया। इसका संयोजन राकेश खटेड़ ने किया।

21 मार्च (द्वितीय दिवस)

जूनून, जंग और जीत की कहानी

जूनून, जंग और जीत की कहानी विषयक इस टॉक शॉ में देश के प्रख्यात व्यक्तित्व सुपर - 30 के आनन्द कुमार, मीडिया पर्सन श्रीमती मीना शर्मा, सुश्री सारिका जैन आई आर एस और सुश्री नेहा जैन आई ए एस ने अपनी संघर्ष की कहानी को साझा किया। कार्यक्रम में राकेश खटेड़ का विशेष सहयोग रहा।

सौहार्द गमन एवं स्वच्छता रैली

प्रातः 8 बजे से स्थानीय सुख आश्रम, बस स्टेण्ड से सौहार्द गमन एवं स्वच्छता रैली का आयोजन भव्य स्तर पर किया गया। रैली में लाडनूं नगर एवं आस पास क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा द्वारा प्रस्तुत मंगलपाठ से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वा ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन, नगर पालिका, भारत विकास परिषद एवं स्कूलों का विशेष योगदान रहा। रैली में एसडीएम मुरारीलाल शर्मा, जैन विश्व भारती अध्यक्ष एवं रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक डॉ. धर्मचन्द लूंकड़ सहित जैन विश्व भारती एवं संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। रैली में क्षेत्र के 13 स्कूलों के करीब 2000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली के संयोजक डॉ. संजय गोयल ने बताया कि रैली में भाग लेने वाले विद्यालयों में प्रथम स्थान पर केशर देवी उमावि, द्वितीय स्थान पर मौलाना आजाद उमावि एवं तृतीय स्थान पर ज्ञान कुटीर माध्यमिक विद्यालय ने प्राप्त किया। जिन्हें क्रमशः 5100 रूपये, 3100 रूपये, एवं 2100 सौ रूपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के जनसम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल ने रैली का आंखों देखा हाल सुनाया।

इन्द्रधनुषी मेला

संस्थान द्वारा इन्द्रधनुषी मेले के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा खान-पान एवं मनोरंजन संबंधी स्टॉल के साथ संस्थान के सभी विभागों की गतिविधियों एवं प्रचार के लिए स्टॉल लगाये गये। अपने-अपने विभागों के कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों को दर्शाते ये स्टॉल लोगों के आकर्षण के केन्द्र थे।

रंगारंग प्रस्तुतियां

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के तत्त्वावधान में राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य एवं लोक गीत का शानदार प्रदर्शन किया गया। लोक कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोकनृत्य के प्रमुख नृत्यों की प्रस्तुति दी गई। राजस्थानी लोक वाद्य यंत्रों के साथ लोक गीतों के स्वर लहरी पर दर्शक झूम उठे। उपस्थित जनसमूह ने इस कार्यक्रम को विशिष्ट बताया।

लोक कलाकारों का जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धरमचंद लूंकड़ एवं संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा द्वारा संस्थान का मोमेन्टो भेंट कर सम्मान किया गया।

समापन समारोह

रजत जयंती का समापन नागौर सांसद सी आर चौधरी की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य संयोजक धर्मचन्द लूंकड़, कुलाधिपति बी.आर. भण्डारी एवं जैन विश्व भारती के कुलपति बच्छराज नाहटा द्वारा संस्थान के सहयोगी दानदाताओं एवं भामाशाह का सम्मान किया गया। इस अवसर पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ रहने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्यावारिधी के रूप में प्रो. अनिल धर एवं कनिष्ठ विद्यावारिधी सम्मान से डॉ. अमिता जैन को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ स्टाफ सदस्य के लिए विनोद कुमार एवं शरद जैन तथा चतुर्थ श्रेणी के लिए विनोद कुमार भाटी एवं तिलकुमार राय को सम्मानित किया गया।

रजत जयंती समारोह : चेन्नई चरण

रजत जयंती समारोह : बेंगलोर चरण

हिन्दुस्तान का अग्रणी विश्वविद्यालय- चौधरी

जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह के चैन्नई चरण का आयोजन 23 मई, 2015 को कामराज हॉल में रखा गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राजस्व एवं देवस्थान राज्य मंत्री अमराराम ने कहा कि शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए जैन विश्व भारती संस्थान विशिष्ट कार्य कर रहा है। यह संस्थान हिन्दुस्तान में अग्रणी विश्वविद्यालय है जो अन्य शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा का खूब प्रचार-प्रसार कर रहा है। यह लोगों को जीवन जीने की कला में पारंगत कर रहा है। सैंकड़ों विद्यार्थियों वाले इस विश्वविद्यालय से प्रतिदिन लोगों का जुड़ाव बढ़ रहा है। उन्होंने उपस्थित प्रवासी समाज का निजी और राजस्थान सरकार की तरफ से आभार व्यक्त किया। चौधरी ने विश्वास दिलाया कि विभागीय स्तर पर वे हरसंभव मदद के लिए तैयार हैं।

समारोह की मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि हमारा मकसद शिक्षा का व्यापारीकरण नहीं है। हम व्यक्ति और शिक्षा की गुणवत्ता पर विश्वास करते हैं। इसी वजह से संस्थान को यूजीसी से भी प्रशस्ति मिली है।

समारोह के विशेष अतिथि लाडनूं के विधायक मनोहर सिंह ने कहा कि इस संस्थान का लाडनूं के विकास में अमूल्य योगदान रहा है। मनोहरसिंह ने चैन्नई में बसे लाडनूं मूल के लोगों को वर्ष में एक बार एक सप्ताह के लिए गृह क्षेत्र में आने का आह्वान किया। विशेष अतिथि मारवाड़ जंक्शन के विधायक केसाराम चौधरी ने संस्थान के प्रयासों व कार्यों की तारीफ की और कहा कि वह आने वाले दिनों में अपने उद्देश्यों में कामयाब होकर विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में पहचान को व्यापक रूप देगा।

समणीवृन्द के मंगलसंगान से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञा ने समारोह में सान्निध्य देते हुए आशीर्वचन दिया। स्वागत भाषण जैन विश्व भारती के मुख्य न्यासी प्यारेलाल पितलिया ने दिया। समारोह में संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा योग का प्रदर्शन किया गया वहीं गायक निलेश जैन एवं ऋषि जैन द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई। अतिथियों का स्वागत जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक धरमचन्द लूंकड़, संयोजक पुखराज बडौला, जैन विश्व भारती संस्थान के प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी आदि द्वारा किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

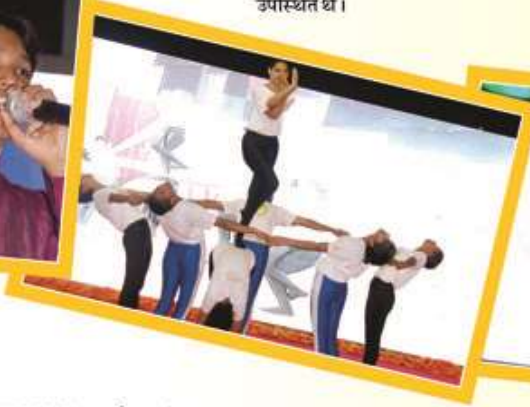

मूल्यपरक शिक्षा का संस्थान- वजुभाईवाला

जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह के बेंगलोर चरण का आयोजन 6 जून, 2015 को ज्ञान ज्योति सभागार बेंगलोर में किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल वजुभाईवाला ने कहा कि देश में केवल अक्षर ज्ञान देने वाली शिक्षण संस्थाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन राजस्थान के लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय देश का ऐसा अनूठा विश्वविद्यालय है जहां पिछले 25 वर्षों से संस्कारों को सींचन के साथ - साथ मूल्यक परक विद्या का ज्ञान दिया जाता है। इससे पहले बंगलोर चरण के प्रायोजक देवराज मूलचन्द नाहर ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया।

इसी धरा पर देखा था सपना

जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जिस कर्नाटक की पवित्रधरा पर आचार्य तुलसी ने संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान करने वाली संस्था का सपना देखा था, उसी कर्नाटक की धरा को आज ऐसी शिक्षा संस्थान का रजत महोत्सव कार्यक्रम मनाने का स्वर्णिम अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा विजन और मिशन एक नहीं होगा जब तक कुछ भी हासिल करना संभव नहीं है। मुनिश्री ज्ञानेन्द्र कुमार ने कहा कि हमे केवल उपदेश सुनते हैं लेकिन इन उपदेशों का आचरण कहीं दिखाई नहीं देता।

संस्थान शिक्षा जगत का सितारा है - शिक्षा मंत्री कालीचरणजी

राजस्थान के उच्च शिक्षा मंत्री कालीचरण सर्राफ ने कहा कि राजस्थान सरकार महिलाओं के सबलीकरण के लिए ऐसी शिक्षा संस्था को हरसंभव मदद देने को तैयार है। संस्कारों की नींव पर खड़ा यह शिक्षा संस्थान अब शिक्षा जगत का सितारा बन गया हैं। साध्वी कंचनप्रभा ने कहा कि जीवन विज्ञान आचार्य तुलसी की महान देन है। इस पाठ्यक्रम को पूरे विश्वस्तर पर सराहना मिली है।

मानवीय मूल्यों की शिक्षा का संस्थान है जैविभा संस्थान- मेघवाल

जैन विश्वभारती संस्थान पारम्परिक शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों की शिक्षा भी दे रहा है। यह विश्वविद्यालय व्यक्ति के चरित्र निर्माण का कार्य तो कर ही रहा है साथ ही जीवनोपयोगी और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण भी दे रहा है। उक्त विचार जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा गंगाशहर (बीकानेर) में आचार्य तुलसी शक्ति पीठ में 4 जुलाई को आयोजित रजत जयंती समारोह के गंगाशहर चरण के मुख्य अतिथि सांसद अर्जुनराम मेघवाल ने व्यक्त किये।

3 जुलाई को नैतिकता के शक्ति पीठ पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जैन विश्व भारती संस्थान ने शिक्षा जगत में कुशल सेवा के 25 वर्ष पूरे किए हैं। इस उपलक्ष में संस्थान की ओर से रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुके इस विश्वविद्यालय में पत्राचार से भी शिक्षा करवायी जा रही है। बालिकाओं की सुविधाओं और सुरक्षा को देखते हुए विश्वविद्यालय परिसर में ही होस्टल की व्यवस्था की गई है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के सार्टिफिकेट कोर्स के साथ-साथ पत्रकारिता, कम्प्यूटर से जुड़े विभिन्न कोर्स भी करवाए जा रहे हैं। इस विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रेक्षाध्यान और योगा भी करवाया जाता है ताकि छात्र-छात्राएं प्रेक्षाध्यान और योगा के शिक्षक भी बन सकें।

मूल्यों से प्रेरित शिक्षा का उत्कृष्ट संस्थान

संस्थान के रजत जयंती समारोह के टमकोर चरण समारोह का आयोजन 14 जुलाई, 2015 को श्रीसंघ ओसवाल पंचायत तथा प्रज्ञा भवन में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि मण्डावा के विधायक नरेन्द्र कुमार खीचड़ ने समारोह का संबोधित करते हुए कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान मूल्यों से प्रेरित शिक्षा का उत्कृष्ट संस्थान है। विधायक ने कहा कि वर्तमान में देश में मूल्यपरक शिक्षा की आवश्यकता है ऐसे में यह संस्थान महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान रजत जयंती समारोह मना रहा है यह महत्त्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता जैन विश्वभारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों को मूल्यों के विकास के प्रति विशिष्ट बताया। समणी पुण्यप्रज्ञा, प्राचार्या महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर ने संस्थान के अनुशास्ताओं के आशीर्वाद में चल रहे इस संस्थान को विश्व का अनूठा संस्थान बताया। आचार्य महाप्रज्ञ की जन्मभूमि टमकोर में आयोजित समारोह में देश के विविध स्थानों से विशिष्ट महानुभावों ने सहभागिता दर्ज करवायी। महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल बच्चों एवं टमकोर समाज द्वारा जागृति रैली निकाली गई। कार्यक्रम का संचालन समणी अर्हत् प्रज्ञा ने किया।

पुरुषार्थ के बल पर ही खुशियां संभव-चेतन भगत

संस्थान के रजत जयंती वर्ष के जयपुर चरण का वृहत् समारोह जयपुर के.बी.एम. बिड़ला ऑडिटोरियम में 24 जुलाई, 2015 को आयोजित किया गया। संभागियों से खचाखच भरे ऑडिटोरियम में एजुकेशन, एथिक्स एण्ड एक्सीलेंस पर बोलते हुए समारोह के प्रमुख वक्ता प्रख्यात लेखक एवं उपन्यासकार चेतन भगत ने कहा कि हम जीवन में खुशियां ढूंढते हैं, परन्तु इस दिशा में पुरूषार्थ नहीं करते। कर्म एवं पुरूषार्थ के बल पर ही व्यक्ति जीवन में खुशियां प्राप्त कर सकता है। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संस्थान के 25 वर्षों की उपलब्धियों की अवगति देते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों को समर्पित यह विश्वविद्यालय आज अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है। आज देश-विदेश के विद्यार्थी यहां अध्ययन हेतु आ रहे हैं। मूल्यों एवं संस्कारों से युक्त मानव के निर्माण जैसा महत्त्वपूर्ण कार्य यहां शिक्षा के माध्यम से किया जा रहा है, जिसकी आज मानव समाज को सबसे अधिक आवश्यकता है।

इस अवसर पर संस्थान के 25 वर्षों का इतिहास 'अक्षर युग' का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। विमोचन के अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने मंच साझा किया। समारोह में जयपुर के सांसद रामचरण बोहरा एवं मेयर निर्मल नाहटा का सम्मान प्रख्यात लेखक चेतन भगत द्वारा किया गया। प्रारंभ में समाजसेवी नरेश मेहता ने स्वागत वक्तव्य दिया। समारोह में विभिन्न संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारीगण के साथ ही जयपुर के गणमान्य व्यक्ति एवं जैन विश्व भारती संस्थान के विद्यार्थी, अधिकारी, कर्मचारी सभी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड़ के संयोजकत्व में कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय संस्थाओं के साथ ही जैन विश्व भारती के संयुक्तमंत्री गौरव मांडोत का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन पन्नालाल पुगलिया ने किया।

सफलता का मंत्र है दृढ़ संकल्प एवं कठिन परिश्रम- सारिका जैन

25 अगस्त, 2015। संस्थान के रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में ओड़िशा चरण केसिंगा में दो चरणों में भव्य रूप से मनाया गया। पहला चरण केसिंगा महाविद्यालय में सुबह ग्यारह बजे से हुआ, जिसमें काफी संख्या में छात्र सम्मिलित हुए। पहले चरण की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रिंसिपल प्रदीप कुमार रथ ने की। कार्यक्रम में संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान भारत में सतरहवें नम्बर पर है, जो कि हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि आज के समय में पढ़ाई और संकल्प के साथ मूल्यों का विकास और नशा मुक्त जीवन जरूरी है। हिंसा और अहंकार से दूर रहकर अपने और राष्ट्र का विकास किया जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम में मेरिट से पास करने वाले विद्यार्थियों को जैन विश्वभारती में पढ़ाई के लिए बुलाया। इस अवसर पर समणी मंजु प्रज्ञा समणी आगमप्रज्ञा व समणी स्वर्णप्रज्ञा ने भी संभागियों को संबोधित किया। डिप्टी कमिश्नर आयकर नागपुर सारिका जैन ने कहा कि सफलता का मंत्र है- दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम। कार्यक्रम का सफल संचालन अनिल जैन उपाध्यक्ष ओड़िशा सभा ने किया। कार्यक्रम में प्रबुद्ध लोगों के अलावा करीब आठ सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। उक्त अवसर पर सारिका जैन, डिप्टी कमिश्नर आयकर नागपुर, धर्मचंद लूंकड़, रमेश बोहरा, केवलचन्द जैन व तुलसी राम जैन उपस्थित थे।

दूसरा चरण केसिंगा तेरापंथ भवन के प्रांगण में संध्या पांच बजे से मनाया गया। शिक्षा में मानवीय मूल्यों का सामवेश विषय पर बोलते हुए समणी निर्देशिका मंजु प्रज्ञा ने कहा कि आचार्य तुलसी का जीवन विकास की कहानी का अभ्युदय है। जैन विश्व भारती मूल्य परक तथ्यों को उजागर करता हुआ निष्पत्तियों का एक सफर पूरा कर अपने रजत वर्ष को सार्थकता प्रदान कर रहा है। युनिवर्सिटी की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा प्राप्ति का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं होता अपितु ज्ञान का दीपक जलाना है। समणी स्वर्णप्रज्ञा ने अपने संबोजकीय वक्तव्य में कहा कि प्रभात का उगना सूर्य की अगवानी के लिए होता है। सूर्य के उगने का अर्थ अंधकार को प्रकाश में परिवर्तित करना है। यह आयोजन केसिंगा की सीमाओं से परे सम्पूर्ण ओड़िशा का बन गया है। समणी आगमप्रज्ञा ने युनिवर्सिटी की विभिन्न निष्पत्तियों को उजागर करते हुए कहा कि शुभ भविष्य की आकांक्षा रखने वाले हर विद्यार्थी को इसमें प्रवेश लेना चाहिए। प्रान्तीय अध्यक्ष केवलचन्द ने कहा कि ओड़िशा भारतीय संस्कृति की आन, बान और शान है। यहां जो भी कार्यक्रम सम्पादित होते हैं, उनकी कामयाबियां युग की पहचान बन जाती हैं।

इस चरण के संयोजक तुलसीराम जैन ने बताया कि जैन विश्वभारती संस्थान का यह ओड़िशा चरण हमारी शक्ति को संरचनात्मक रूप देने वाला है। मुख्य अतिथि अरविन्द दास ने अपने विस्तृत विचारों में कहा कि सरकार से लेकर समाज का हर वर्ग सकारात्मक सोच में शामिल हो जाये तो शिक्षा में विकास के नए आयाम बन जायेंगे। कार्यक्रम का प्रारम्भ जहां महिला मण्डल एवं कन्या मण्डल के मंगलाचरण से हुआ वहीं संस्थान के अध्यक्ष धरमचन्द लूंकड़ एवं ट्रस्टी श्री रमेश बोहरा ने ओड़िशा चरण की सामयोजन में उत्साह, उमंग को सर्वश्रेष्ठ बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रान्तीय उपाध्यक्ष अनिल जैन ने करते हुए आगन्तुक अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया। 45 गांवों से एक हजार से ज्यादा श्रावक समाज ने कार्यक्रम में भाग लेकर एक नया इतिहास रचा। अंत में कार्यक्रम के सभी प्रायोजक, सह-संयोजक, अतिथि, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्षों का मोमेण्टो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनने में तेरापंथ महिला मण्डल, सभा, तेयुप व कन्या मण्डल का विशेष योगदान रहा।

विश्वविद्यालय ने किए शिक्षा के साथ कई सार्थक प्रयास - यू.जी.सी. चेयरमैन

संस्थान के रजत जयंती वर्ष समारोह के अन्तर्गत दिल्ली चरण समारोह का आयोजन 30 अगस्त, 2015 को यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स दिल्ली में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्री हर्षवर्द्धन जैन ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को मूल्यपरक शिक्षा के विकास के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयरमैन प्रो वेदप्रकाश ने कहा कि जैन विश्वभारती ने शिक्षा के क्षेत्र में कई सार्थक कदम उठाये हैं। खासतौर पर मूल्यवर्धक शिक्षा व भौतिकता से परे जीवन जीने की कला को लेकर संस्थान द्वारा कई योजनाओं पर काम जारी है। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि एजुकेशन सिस्टम में आई क्यू. की बात तो की जाती है लेकिन इमोशनल क्यू की बात नहीं होती है। विद्या के साथ विवेक का होना भी जरूरी है। हमारे संस्थान में नॉनवायलेंस एंड पीस, योग, पुरातन विद्या, मैडिटेशन आदि कोर्स के द्वारा मूल्यपरक विद्या का ज्ञान दिया जाता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहसरकार्यवाहक डॉ कृष्णगोपाल, रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक डॉ. धरमंद लुंकड़, मंत्री श्री अरविन्द गोठी एवं के.एल. पटावरी, दिल्ली चरण के संयोजक सुखराज सेठिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफल संयोजना में सुखराज सेठिया एवं दिल्ली समाज का सक्रिय सहयोग रहा।

शिक्षा के साथ संस्कार निर्माण जरूरी-चौधरी

जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह के सिरियारी चरण का आयोजन 26 सितम्बर, 2015 को आचार्य भिक्षु समाधि स्थल पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मारवाड़ जक्शंन के विधायक केशाराम चौधरी ने कहा कि प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जैन विश्वभारती संस्थान आज सम्पूर्ण विश्व में अपने पाठ्यक्रमों के लिए व्यापक पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास बहुत जरूरी है। सही व मानवीय मूल्यों से प्रेरित शिक्षा ही व्यक्ति को सही राह दिखाने में सक्षम है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए कहा कि यह देश का ऐसा अनूठा विश्वविद्यालय है जहां ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण एवं मूल्य परक शिक्षा भी दी जाती है जिसकी आज समाज को आवश्यकता है। समणी चारित्रप्रज्ञा ने शिक्षा को जीवन विकास का माध्यम बताते हुए विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य संयोजक जैन विश्वभारती के अध्यक्ष धरमचंद लुंकड़ ने की। इस अवसर पर आचार्य भिक्षु समाधि संस्थान अध्यक्ष मूलचन्द नाहर सहित अनेक सम्मान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद आचार्य भिक्षु संगीत संध्या व धम्म जागरण का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें देश भर से हजारों लोगों की उपस्थिति रही

जैन शासन के लिए गौरव का स्थान है संस्थान- आचार्य महाश्रमण

संस्थान के रजत जयंती वर्ष समारोह के अन्तर्गत विराटनगर चरण का आयोजन 4 अक्टूबर, 2015 को अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में रखा गया। इस अवसर पर नेपाल सरकार के वित्त मंत्री श्री रामसरण महत की गरिमामयी उपस्थिति रही। अनुशास्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा यह संस्थान आचार्य तुलसी के श्रम की परिणति है, जैन शासन के लिए बहुत ही गौरव का स्थान है, ऐसा माना जा सकता है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी ज्ञान के विकास के साथ-साथ चरित्र के क्षेत्र में भी अच्छा विकास करें।

कार्यक्रम के अन्त में रजत जयंती समारोह विराट नगर के संयोजक राजकुमार गोलछा, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा विराट नगर के अध्यक्ष दिनेश गोलछा, आचार्य महाश्रमण चातुर्मास व्यवस्था समिति विराट नगर के अध्यक्ष मालचन्द सुराणा, जैन तेरापंथ न्यूज प्रचार प्रसार के संयोजक महावीर सेमलानी एवं संजय बैद मेहता का सम्मान किया गया।

मूल्यों के विकास को समर्पित अनूठा संस्थान है जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय

संस्थान के रजत जयंती समारोह के मुंबई चरण का आयोजन 11 अक्टूबर, 2015 को बिड़ला मातुश्री ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। रजत जयंती समारोह जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्थान है। इस संस्थान के माध्यम से मूल्यों से प्रेरित शिक्षा का प्रसार किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराष्ट्र सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री गणेश नायक ने कहा कि जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय विश्व का अनूठा संस्थान है। इस संस्थान के माध्यम से मूल्यों को शिक्षा के साथ दिया जा रहा है जो वर्तमान युग की जरूरत है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार की केबिनेट मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी ने कहा कि आज इस विश्वविद्यालय के माध्यम से जो कार्य किया जा रहा है इस कार्य को और अधिक गति के साथ बढ़ाना चाहिए। माहेश्वरी ने विश्वविद्यालय को शिक्षा जगत का कल्पवृक्ष बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुम्बई की मैयर स्नेहल आंबेकर, विधायक मंगलप्रभात लोढा सहित अनेक लोगों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जैन विश्वभारती के पूर्व अध्यक्ष गुलाबचन्द चिण्डालिया का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय संयोजक शांतिलाल बरमेचा व मांगीलाल छाजेड का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर समारोह के मुख्य संयोजक धर्मचन्द लुंकड़, ख्यालीलाल तातेड़, किशन डाकलिया, ट्रस्टी रमेश बोहरा, जेटीएन के महावीर सेमलानी, प्रो समणी चैतन्यप्रज्ञा, राकेश कठोतिया, विजयसिंह मालू सहित अनेक लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर गायिका मीनाक्षी भूतोडिया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में इण्डिया गोट टेलेंट के प्रिंस ग्रुप द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई।

मूल्य बोध व जीवन जीने की कला सिखाती है शिक्षा- साध्वीश्री त्रिशला कुमारी

शिक्षा का अर्थ केवल अध्ययन और ज्ञानार्जन नहीं है बल्कि शिक्षा जीवन के मूल्यों का बोध कराती है। यह जीवन जीने की कला सिखाती हैं, सर्वांगीण विकास करती है। 1 नवम्बर, 2015 को कोलकाता में आयोजित जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए साध्वी श्री त्रिशला कुमारी ने ये उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहां मानव जीवन के मूल्यों को जीने की कला सिखायी जाती है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रामकृष्ण मिशन कोलकाता के स्वामी शुद्धिनानंद महाराज ने कहा कि जैन शब्द की उत्पति 'जिन' से हुई है। जिसका अर्थ खुद पर विजय प्राप्त करना होता है जो शिक्षा का मूल होता है। भारतीय संस्कृति हमें स्वयं को जानने की सीख देती है, स्वयं पर विजय का संदेश देती है। समारोह के मुख्य अतिथि पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आई ए अंसारी ने कहा कि सांस्कृतिक व सैद्धान्तिक शिक्षा के बिना संसार में शांति नहीं आ सकती है। जस्टिस अंसारी के अनुसार स्वस्थ समाज का निर्माण मानवीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा से संभव है। समारोह को जैन विश्वभारती के अध्यक्ष व रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक धर्मचन्द लूंकड़, कोषाध्यक्ष प्रमोद बैद, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना बैद, भारतीय पुरातात्विक विभाग के निदेशक पाणिकांत मिश्र, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बसंतराज भण्डारी आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष कमलकुमार दुगड़, जयतुलसी फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी सुरेन्द्र कुमार दुगड़, संस्थान के पूर्व कुलाधिपति सुरेन्द्र कुमार चौरड़िया, रंजित सिंह कोठारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन प्रकाश चिण्डालिया ने किया। समारोह में हारमोनी कलाकारों द्वारा देश भक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये गये।

आचार्य तुलसी का अनुपम वरदान है संस्थान- साध्वीश्री साधनाश्री

साध्वी श्री साधनाश्री एवं संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा के पावन सान्निध्य तथा जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष कमल दूगड़ की अध्यक्षता में 10 जनवरी को आयोजित हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति दक्षेस भाई ठाकर व नवसारी के सांसद सी.आर. पाटिल उपस्थित थे। कुलपति महोदया ने संस्थान के संदर्भ में अपने सारगर्भित विचार रखते हुए अधिक से अधिक लोगों को संस्थान के साथ जुड़ने का आह्वान किया। साध्वीश्री साधनाश्रीजी ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए जैन विश्व भारती संस्थान को आचार्य तुलसी की समाज को दी गई अनुपम देन बताया तथा आचार्यश्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक दिशा निर्देशन में इस संस्थान की ओर अधिक विकास की मंगल भावना व्यक्त की।

कार्यक्रम में रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक धर्मचन्द लूंकड़, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष के.सी. भलावत, सूरत की विभिन्न संघीय व सामाजिक संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी, अन्य समुदायों के गणमान्य महानुभाव समुपस्थित थे तथा लगभग 5-6 हजार लोगों की विशाल उपस्थिति कार्यक्रम की गरिमा को वृद्धिगत कर रही थी।

युवक बिरादरी, मुम्बई द्वारा भारत के 5000 वर्ष के स्वर्णिम इतिहास की कहानी संगीमय नाटक के रूप में तथा सुविख्यात बांसुरी वादक श्री सुनील शर्मा द्वारा दी गई विशेष प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की कुशल संयोजना में तेरापंथ युवक परिषद, सूरत की अहम भूमिका रही। इंटोर स्टेडियम में उपस्थित 6000 से अधिक लोग विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से अवगत हुए।

Silver Jubilee in Abroad

Bangkok

Silver Jubilee Celebration was organized by Bangkok Jain Samaj in the presence of Samani Akashya Prajna and Samani Vinay Prajna on 22 August 2015. Complete Jain community was amazed to see the academics and research works of the institute. They were surprised to look at the growth and development of the institute in such a rural area. People committed to sponsor for girls education.

लंदन

जैन विश्व भारती लंदन (यू.के.) द्वारा 28 सितम्बर, 2015 को जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती वर्ष समारोह का लंदन चरण केनन हाई स्कूल के ऑडीटोरियम में समणी नियोजिका ऋजु प्रज्ञा, समणी प्रतिभा प्रज्ञा, समणी पुण्य प्रज्ञा और समणी प्रणव प्रज्ञा के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जैन नेट वर्क के अध्यक्ष नट्टू भाई, महावीर फाउण्डेशन के अध्यक्ष विनोद कपासी, जैन प्रगति नवयुवक मंडल के अध्यक्ष के.सी. जैन, डाइवर्स एथिक्स के सेक्रेटरी अतुल शाह, जैन विश्व भारती लंदन के अध्यक्ष हसु भाई आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। उपस्थित सभी लोगों ने विश्व भारती के अभ्युदय के लिए पूर्ण सहयोग देने की बात रखी।

हॉगकॉग और सेकरामेन्टो

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय का रजत जयंती समारोह समणी निर्देशिका अक्षय प्रज्ञा एवं समणी विनय प्रज्ञा के सान्निध्य में 29 अगस्त को होंगकॉग एवं 7 सितम्बर को सेकरामेन्टो में मनाया गया। समणी अक्षयप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय को आचार्य तुलसी का महान अवदान बताया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय जैन समाज के लिए गौरव का विषय है। संस्थान की डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से जैन समाज को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

समाज के गणमान्य प्रतिष्ठित पदाधिकारियों सहित पूरा जैन समाज विश्वविद्यालय के कार्यक्रम से अवगत हुआ।

Houston

JVB Preksha Meditation Centre, Houston celebrated its 15th Anniversary on 10-11th of October with grand two-days festive under the auspicious guidance of Samani Parimal Prajna and Samani Maryada Prajna.

On this occasion JVBI's 25th Silver Jubilee Program was also celebrated A short video tribute of the exemplary achievements and contribution was showcased to the audience.

Samani Parimal Prajna said this university is the platform of socio-spiritual development. Chairman of JVB, Houston, Swatantra Jain said - This University is serving as a beacon of commitment to provide highest quality of educational service. President Seema Jain said that we are lucky to have this university from where the great scholarly Samani's are educated. The whole audience appreciated the achievements of JVBI.

Manchester & Birminghan

Samani Niyojika Riju Prajna and Samani Punya Prajna celebrated silver jubliee programe of JVBI in Manchester on 18 September and in Birminghan on 20 September, 2015. Samani introduced about the academies, research and activities of the institute. Dignitaries on the dias unveiled the book 'Akshar Yug'.

इण्डोनेशिया

समणी निर्देशिका ज्योतिप्रज्ञा एवं समणी मानस प्रज्ञा के सान्निध्य में संस्थान का रजत जयंती समारोह इण्डोनेशिया में P.T. Elegant पूर्वकार्ता में आयोजित हुआ। समणी ज्योतिप्रज्ञा ने कहा यह संस्थान पहला जैन विश्वविद्यालय है जो शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार प्रदान करने वाला हो। यह संस्थान अपने आप में अनूठा संस्थान है। समणी मानसप्रज्ञा ने संस्थान में संचालित पाठ्यक्रमों की विशद जानकारी दी।

रजत जयंती के उपलक्ष में संस्थान की डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उपस्थित जनसैलाब को संस्थान की गतिविधियों से अवगत करवाया। इस अवसर पर चांदरतन दूगड़ ने संस्थान के स्वर्णिम 25 वर्षों का इतिहास 'अक्षर-युग' जैन सोशियल ग्रुप के मंत्री प्रकाश बम को भेंट किया। कार्यक्रम की संयोजना में श्री चांदरतन दूगड़ एवं मुकेश जैन का सराहनीय योगदान रहा।

प्रेस कॉन्फ्रेस

संस्थान के रजत जयन्ती वर्ष समारोह के उपलक्ष में बैंगलोर, गंगाशहर, जयपुर, दिल्ली, मुम्बई एवं सूरत चरण में प्रेस कॉन्फ्रेस आयोजित की गई। प्रेस वार्ता के माध्यम से मीडिया एवं पत्रकारिता से जुड़े संवाददाताओं को जैन विश्व भारती के उद्देश्य, पाठ्यक्रम एवं गतिविधियों से अवगत कराते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने बताया कि नैतिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित यह प्रथम जैन विश्वविद्यालय है। यहां अध्ययन, अध्यात्म और अनुशासन का त्रिवेणी संगम देखने को मिलता है। पारम्परिक शिक्षा के साथ मानवीय मूल्य की शिक्षा दी जाती है तथा यहां विभिन्न प्रकार के सर्टिफिकेट कोर्स के साथ-साथ पत्रकारिता, कम्प्यूटर से जुड़े विभिन्न कोर्स से छात्र-छात्राएं लाभान्वित होते हैं। विश्व का यह एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसे अनुशासताओं का आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

रजत जयंती के अवसर पर प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के द्वारा संस्थान को विश्व व्यापी बनाने का यह प्रयास अनूठा एवं सराहनीय रहा।

रजत जयन्ती वर्ष समारोह
कृतज्ञता के स्वर

आज संस्थान जिन बुलन्दियों को छू रहा है वहां तक पहुंचने में अनेक मजबूत कंधों एवं हाथों ने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से संस्थान को सक्षम बनाया। उन सभी संस्थाओं, महानुभावों, भामाशाहों एवं प्रशासनिक व्यक्तियों का संस्थान के रजत जयंती के अवसर पर सादर आभार।

सर्वप्रथम, कृतज्ञता के स्वर पूज्य प्रवर के प्रति जिनकी कुशल अनुशासना एवं करूणामयी कृपादृष्टि से रजत जयन्ती वर्ष के कार्यक्रम निर्बाध रूप से संपादित हुए।

मातृहृदया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के दिशा-निर्देशन, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा एवं समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञाजी की हितावही प्रेरणा एवं सम्पूर्ण समण श्रेणी के आत्मीय सहयोग हेतु हार्दिक श्रद्धा प्रणति।

अत्यंत आभार रजत जयंती वर्ष समारोह के मुख्य संयोजक श्री धरमचंद लुंकड़ के प्रति जिन्होंने अपनी चिंतन युक्त योजना, उदारचेता एवं अनूठी कार्यशैली एवं सक्रिय टीम के सहयोग से रजत जयंती के हर चरण को सफलतम बनाने में भगीरथ प्रयास किया।

विभिन्न संयोजकगण के निष्ठापूर्ण श्रम व सहयोग, सभी केन्द्रीय व स्थानीय संघीय संस्थाओं तथा संपूर्ण समाज की सहभागिता व शिरकत सभी चरणों की सफलता में विशेष योगभूत बना एतदर्थ सभी के प्रति आभार एवं धन्यवाद। रजत जयंती के स्वर्णिम अवसर पर जिन्होंने अपने अर्थ सहयोग से संस्थान को आर्थिक समृद्धता प्रदान की उन सभी अनुदानदाताओं एवं भामाशाहों के प्रति अन्तर्हृदय से आभार। संस्थान सदस्यों के प्रति बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने अपनी पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से सदैव इस समारोह को कामयाब करने और नई ऊंचाईयां प्रदान करने में भरसक प्रयास किया। पुन: उन सभी संस्थाओं, व्यक्तियों का हार्दिक आभार जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रजत जयंती वर्ष समारोह को सुफल बनाने में अपना भरपूर सहयोग दिया।

क्र.सं.	कार्यक्रम	संयोजक
01.	लाडनूं	श्री भागचन्द बरड़िया
02.	चेन्नई	श्री पुखराज बड़ौला
03.	बैंगलोर	श्री मूलचंद नाहर
04.	गंगाशहर	श्री लूणकरण छाजेड़
05.	टमकोर	श्री भीकमचन्द नखत
06.	जयपुर	श्री गौरव जैन, श्री पन्नालाल पुगलिया
07.	केसिंगा	श्री केवलचन्द जैन

क्र.सं.	कार्यक्रम	संयोजक
08.	दिल्ली	श्री सुखराज सेठिया
09.	सिरियारी	श्री मूलचंद नाहर, श्री गौतमचंद मुथा
10.	विराटनगर	श्री राजकुमार गोलछा
11.	मुंबई	श्री शांतिलाल बरमेचा
12.	कोलकाता	श्री प्रमोद बैद
13.	सूरत	श्री संजय भंसाली

सुर्खियों में जैन विश्व भारती संस्थान

मूल्यों की शिक्षा से समाज व देश का निर्माण संभव : संचेती

शिक्षा के क्षेत्र में बहुत से काम करने बाकी

- जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह में बोले केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन
- भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य बेहद महत्वपूर्ण : डॉ. कृष्णगोपाल

जैन विश्व भारती का समारोह हुआ

मूल्यवान समाज के निर्माण पर दिया जोर

शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान का दीपक जलाना

ଜୈନ ବିଶ୍ୱଭାରତୀ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ରୌପ୍ୟ ଜୟନ୍ତୀ

शिक्षा का असली मकसद मनुष्यत्व का भाव पैदा करना है : कृष्णगोपाल

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली,31 अगस्त। वास्तविक शिक्षा वह है, जो मनुष्य के अंदर मनुष्यत्व का भाव पैदा करे। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल ने कही। वे यहां जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह में बोल रहे थे। योजना विहार स्थित यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए कृष्णगोपाल ने कहा कि असली शिक्षा हम और वे में भेद नष्ट करती है।

इस मौके पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) के चेयरमेन प्रोफेसर वेदप्रकाश ने नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि चरित्र निर्माण के लिए

मारवाड़ी की बात अलग...

समणी का केसिंगा आगमन

जैन विश्वभारती रजत जयंती वर्ष ओड़िशा चरण हेतु पधारी जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा एवं उनकी सहयोगी श्रमणी आगम प्रज्ञा के केसिंगा आगमन पर यहां विराजित श्रमणी निर्देशिका मंजु प्रज्ञा एवं स्वर्ण प्रज्ञा की अगुआई में केसिंगा स्टेशन पर ओड़िशा प्रान्तीय सभा, महिला मण्डल, कन्यामंडल एवं तेयुप के सदस्यों ने जुलूस के

जैन विश्वभारती का अभिनंदन समारोह

केसिंगा. जैन विश्वभारती जयन्ती वर्ष ओड़िशा चरण उपलक्ष्य में तेरापंथ भवन के में समणी निर्देशिका मंजु एवं स्वर्ण प्रज्ञा के सान्निध्य आयोजित अभिनन्दन समारोह जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय लाडनूं की कुलपति समणी च प्रज्ञा एवं आगम प्रज्ञा के

रजत जयंती समारोह का दूसरा चरण 20 मई को

चेन्नई @ पत्रिका. जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती वर्ष समारोह का दूसरा चरण आगामी 20 मई को चेन्नई में अन्ना सालै स्थित कामराज मेमोरियल हॉल में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए रविवार को ट्रिप्लीकेन स्थित तेरापंथ भवन में संस्थान के अध्यक्ष धर्मचंद लूंकड़ की अध्यक्षता में चिंतन संगोष्ठी आयोजित की गई। गौतमचंद सेठिया ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्ष धर्मचंद लूंकड़ एवं समारोह समिति के संयोजक पुखराज बड़ोला ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उक्त समारोह जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रभा की अध्यक्षता में होगा। समारोह में शिक्षा जगत से जुड़ी अनेक हस्तियां हिस्सा लेंगी। समारोह की शुरुआत सायं 7 बजे होगी तथा ... माला कातरेला व विमल सेठिया आयोजन के संदर्भ में सुझाव व विचार रखे।

समारोह में चेन्नई के सकल जैन समाज से विशिष्ट एवं प्रबुद्ध महानुभावों तथा शिक्षण संस्थानों प्रबंधन से जुड़े व्यक्तियों को आमंत्रित करने का भी निर्णय लिया गया। समारोह में सभी उपस्थितजनों ने सहयोग का संकल्प लिया। अलंकार आच्छा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ओवरऑल डवलपमेंट करें स्कूल

जैन विश्व भारती संस्थान का रजत जयंती समारोह

मेट्रो रिपोर्टर

करना था। साथ ही, संस्थान को समाज से जोड़ना है। संस्थान की वाइस चांसलर समणी चारित्र ने संस्थान के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा का मतलब सिर्फ रेगुलर आना और डिग्री हासिल करना ही नहीं है, बल्कि प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान को स्टूडेंट्स को इस तरह से अध्ययन कराना चाहिए, जिससे उनका स्प्रिचुअल और फिजिकल डवलपमेंट बेहतर तरीके से हो सके।

कार्यक्रम के दौरान समणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो कुछ समय पहले ही योगा और स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की है, लेकिन जैन विश्व भारती संस्थान पिछले 25 सालों से योगा और मेडिटेशन के लिए लोगों को प्रेरित कर रहा है। इसके तहत स्कूल में प्रतिदिन लगभग 15 मिनट स्टफ एवं स्टूडेंट्स योगा और मेडिटेशन करते हैं।

रजत जयंती का बेंगलूरु चरण 6 को

चेन्नई @ पत्रिका

patrika.com

जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं के रजत जयंती समारोह के वर्षव्यापी आयोजनों के तहत तीसरा चरण आगामी 6 जून को बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा। बेंगलूरु में पैलेस रोड स्थित ज्ञानज्योति ऑडिटोरियम में सायं 4.30 बजे आयोजित समारोह मुनि ज्ञानेंद्र कुमार, साध्वीवृंद कंचनप्रभा व प्रज्ञाश्री के सान्निध्य में होगा। इस चरण के संयोजक मूलचंद नाहर व सहसंयोजक दीपचंद नाहर के साथ रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक धर्मचंद लूंकड़ की कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। लूंकड़ एवं नाहर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कर्नाटक के राज्यपाल वजुभाई वाला करेंगे और अध्यक्षता राजस्थान के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया करेंगे।

विशिष्ट अतिथि राजस्थान के राजस्व मंत्री अमराराम चौधरी, शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ, मारवाड़ जंक्शन के विधायक केशाराम चौधरी व बेंगलौर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. तिम्मेगौड़ा होंगे तथा मुख्य वक्ता जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रभा ... विभिन्न सभा-संस्थाओं के गणमान्य लोग हिस्सा लेंगे।

सायं सात बजे शुरू होने वाले काव्यपाठ कार्यक्रम में जगदीप हर्षदर्शी उदयपुर, वाहेगुरु भाटिया मुम्बई, बृजराजसिंह बृज रतलाम, डा. लोकेश जड़िया धार एवं मीनू शर्मा कोटा आदि कवि कविताओं की प्रस्तुति देंगे। समारोह की तैयारियां मूलचंद नाहर व दीपचंद नाहर, प्रकाश लोढ़ा, धर्मीचंद धोका, मोहनलाल गादिया, कन्हैयालाल चिप्पड़ व राजेश चावत के निर्देशन में की जा रही हैं।

समारोह में देवराज, मूलचंद, मुकेश, विकास, पुनीत व चिरागु

संस्थान में पारंपरिक शिक्षा के साथ मूल्यों की शिक्षा भी : चरित्र प्रज्ञा

मानव संसाधन मंत्रालय ने दी 'ए' कैटेगरी प्रमाणपत्र

जैन विश्व भारती संस्थान का 25वां वार्षिकोत्सव, वेतन भत्ता देंगे उद्घाटन

...क्षा के क्षेत्र में मिलकर करना है काफी काम : हर्षवर्द्धन

दिल्ली | यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जैन विश्व भारती संस्थान का रजत जयंती समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन मौजूद रहे, जिन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम करना है। विशिष्ट अतिथि के रूप में गायक अनूप जलोटा ने भी अपने भजनों के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि किसी संस्थान में दी जाने वाली शिक्षा तभी है, जब वह एक व्यक्ति के हृदय में ज्ञानरूपी दीपक जला कर सके। शिक्षा ऐसी हो, जिससे व्यक्ति समाज में अपने नाम का प्रकाश फैलाए। क्योंकि ज्ञान से मनुष्य के जीवन का विकास होता है। अगर ऐसा नहीं है तो वह ज्ञान अधूरा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के चेयरमैन प्रो. वेदप्रकाश ने बेहतर शिक्षा के लिए नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण ...

... के साथ विकास और नशा मुक्त जीवन जरूरी : चारित्रप्रज्ञा

... नष्ट करती है शिक्षा : डॉ. कृष्णगोपाल

राष्ट्र निर्माण में युवाशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका

Mahadev Lal Saraogi
Anekant Shodhpeeth

International Summer School

Understanding Jainism Programme

A 21 days International Summer School of **'Understanding Jainism'** was organized for International students from 23rd July to 12th August, 2015. On 23rd July students were welcomed and introduced in the inaugural session. Under this programme three separate sessions on Jainism, Science of Living, Preksha Meditation and Yoga and Nonviolence and Peace were organized. In addition to this a special course on Oriental Language was also organized for the participants and they were offered Prakrit, Sanskrit and Hindi Languages.

The daily routine starts from 6:30 with meditation and yoga class. From 9: 30 to 12 : 30 a.m. three separate sessions on Jainism, Science of Living, P.M. and Yoga and Nonviolence and Peace.

Oriental Language Classes

After the routine class our international students with their free will taught French by (Mireille Dubois and Iseli Mirjam, Germany) and English (Valerie Mc Carty, USA) to the students of Acharya Kalu Kanya Mahavidyalay. After the completion of academic session special classes were offered for **Hindi and Sanskrit** Language. The students were benefited by the expertise of the faculty members of the Institute.

Special Activities of the Program

Besides academic program students had special visits to wild life sanctuary (**Chhapar**), some places of archeological and historical importance near to Ladnun, trekking Dungar Balaji and meetings with spiritual personalities. The visits to local Jain families were organized in order to understand the Indian culture, Jain life style and the socio-cultural aspects of Jain laities. Mehendi, personal meeting with monks and nuns, visit to schools and many other activities were appreciated and enjoyed by the participants.

This year 21 students participated in this program. 10 participants joined the program from USA, Switzerland and Germany while 11 students form different places of India. All the participants were enthusiastic, innovative and had good appetite for learning.

Participants And Their Comments

Alexander John Mc Carty remarked that this program had been an emotional, spiritual and scholarly journey for him. JVBI has the wonderful environment, good schedule and a great diversity of speakers. **Iseli Mirjam** exclaimed that I really liked the program, the lectures and there have been great teachers. I really enjoyed the field trips they were great. I found it was really nice that we had the change to teach friends, it really changed work as a teacher for the future. **Valerie Mc Carty** observed that the courses content was richly enhanced. Preksha Meditation and Yoga classes were a very important experiential component of the program. **Leo Mancheno** said JVBU has excellent people. Field trips have been life-changing experience for myself. **Mireille Dubois** commented that it was excellent over the whole time. I feel time period short for preparing the research paper. **Rohit Jain** and **Ayushi Jain** remarked that this was the unforgettable moment of my life. I appreciate for all the teachings and care given to us.

Lecture by Scholars

The entire academic session was held through **lectures, discussions, and presentations**. Students were provided study notes of the subjects. Various lectures were given by in-house Professors, faculty members and external guest Professors like Prof. Pratap Sanchetee, Jodhpur University; Prof. K. T. S. Sarov, Delhi University; Prof. Naresh Dadhich, Jaipur, Prof. M.D. Thomas, Delhi, Dr. Sushma Singhvi, Jaipur, Prof. Kim Skoog, Gaum University.

Valedictory Session

On the completion of course all the students appeared for exams on 10th of August. In the Valedictory session Prof. Anil Dhar awarded the students with the certificates and grades. All the students did great effort and achieved 'A' grade or 'A+' grade.

The program was completely successfully carried out under the enlightening guidance of honorable Vice-chancellor, Samani Charitra Prajna and coordinator – Prof. Anil Dhar. Dr. Samani Aagam Prajna and Dr. Samani Rohit Prajna academically convened the whole program systematically. Assistant Prof. Pooja Jain helped in the communication with students and guest Professors while Assistant Librarian, Jasbir Singh supported to manage the whole program.

Study Tour

A study tour was organized from 17th July to 21st July to make the participants familiar with Indian culture in general and with the culture of Rajasthan in particular. The tour covered various places in Jaipur, Ranakpur, Pavapuri, Jodhpur, Deshnok etc. The students witnessed the ancient Indian architecture and the places of religious importance. 6 abroad students joined this tour. The alumni students of 2014, Nishant Jain Guided the Whole Tour.

9th Convocation

अहिंसा एवं शांति के लिए जैन विश्वभारती संस्थान का विशिष्ट योगदान- वित्तमंत्री नेपाल

जैन विश्व भारती संस्थान का 9वां दीक्षान्त समारोह 4 अक्टूबर, 2015 को अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में नेपाल के विराटनगर में सम्पन्न हुआ। समारोह में दीक्षान्त भाषण देते हुए नेपाल सरकार के वित्त मंत्री श्री रामसरण महत ने कहा कि विश्व में भौतिकवाद का वर्चस्व है लेकिन केवल भौतिकवाद से असन्तुष्टि ही पैदा होती है। भौतिकता के साथ अध्यात्म भी आवश्यक है। जैन विश्वभारती संस्थान आज मानवीय मूल्यों की शिक्षा दे रहा है। यह संस्थान आज शान्ति एवं अहिंसा, प्राच्य विद्याओं की शिक्षा के लिए प्रयत्नशील है। आज पूरा विश्व हिंसा से ग्रस्त है। ऐसे में अहिंसा एवं शान्ति ही इसका समाधान है। मानवीय मूल्यों की शिक्षा हमारे आत्मविश्वास में वृद्धि करती है। इस विश्वविद्यालय में जो शिक्षा दी जा रही है वह जीवन में सफलता के लिए बहुत आवश्यक है।

समारोह में विद्यार्थियों को उद्बोधन देते हुए संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण ने कहा कि ज्ञान प्रकाश देने वाला होता है। ज्ञान का सार आचार है। शिक्षा आजीविका का आधार तो है लेकिन इसके साथ-साथ आचरण एवं संस्कार भी मिले यह आवश्यक है ताकि हम शांति के साथ रह सकें।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आज विश्व में शस्त्रों के लिए काफी खर्च किया जा रहा है। आज की शिक्षा विनाश के लिए नहीं निर्माण के लिए होनी चाहिए। जैन विश्वभारती संस्थान मूल्य परक शिक्षा, अहिंसा एवं शान्ति के लिए कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संयोजक राजकुमार गोलछा ने स्वागत भाषण दिया। जैन विश्वभारती संस्थान के अध्यक्ष धर्मचन्द लुंकड़ ने मुख्य अतिथि का शाल्यार्पण कर एवं कुलाधिपति बंसतराज भण्डारी ने मोमेन्टो भेंट कर सम्मान किया। समारोह का प्रारम्भ संस्थान सदस्यों, संस्थान के विभिन्न मण्डलों एवं परिषदों के सदस्यों आदि की शोभायात्रा के साथ प्रारम्भ हुआ। कुलसचिव प्रो. अनिलधर ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को प्रारम्भ किया।

दीक्षान्त सामारोह में संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग, योग एवं जीवन विज्ञान विभाग, प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग, जैन विद्या विभाग, समाज कार्य विभाग, अंग्रेजी विभाग, शिक्षा विभाग, आचार्य कालूकन्या महाविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा की कुल पीएच.डी 12, एम.फिल 2, अधिस्नातक 859, स्नातक 1186 उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर एन.सुगालचन्द जैन एवं न्यायाधीश दलवीर भण्डारी को मानद डी.लिट की उपाधि प्रदान की गई। कुलाधिपति बसन्तराज भण्डारी ने विभिन्न विभागों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किये। कुलाधिपति ने संस्थान के सदस्यों को संकल्प कराया एवं विद्यार्थियों को सिक्खापदम् का वाचन कराया गया।

इस अवसर पर जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती के 10वें चरण के कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में रजत जयंती समारोह विराट नगर के संयोजक राजकुमार गोलछा, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा विराट नगर के अध्यक्ष दिनेश गोलछा, आचार्य महाश्रमण चातुर्मास व्यवस्था समिति विराट नगर के अध्यक्ष मालचन्द सुराणा, जैन तेरापंथ न्यूज प्रचार प्रसार के संयोजक महावीर सेमलानी एवं संजय बैद मेहता का सम्मान किया गया।

Vice-Chancellor's Incessant Steps

Global Warming & Climate Change a Way Out, Bhopal

A national conference on 'Global Warming & Climate Change a Way Out' was organized by government of Madhya Pradesh in the premises of Vidhan Sabha on 21 -22 november2015.

In the inaugural session Shri Anil Madhav Dave the Member of Parliament gave his welcome speech. In this conference more than 800 hundred research scholars, spiritual leaders, political leaders & the social activist gave their presentation on climate change. Vice chancellor of Jain Vishva Bharati Institute, Samani Charitra Prajna chaired one of the penal session.

In this conference the chief minister of M.P, The M.L.A. of M.P., the founder of art of living Shri Shri Ravishanker; the social environmental activist Dr. Vandana Shiva, Dr. V.S Vijayan former president of Kerala (Vidvata board) Foreign affairs minister Smt. Sushma Svaraj and many other eminent scholars and doctors gave their valuable deliberation.

The whole seminar was ended with fruitful debates and an action plans to reduce the carbon emission and protect our planet.

43rd ISAAME Forum, 2015

43rd ISAAME Forum, 2015 of Lions Club was organized by Pravin Chhajed at Ghandhi Mandir, Koba, Ahmedabad on 15-19 Dec. On 19th, Vice-chancellor, Samani Charitra Prajna and Commander, Rishab Kapur were invited as Keynote Speaker. Samani Charitra Prajna shared her views on "The Way to Blissful Life". Around 45 countries participated in it. Dr. Jitsuhiro Yamada, International President, Joseph Preston, LCIF Chairman, and many other renowned scholars were also present there.

Meet with Governor of Kolkata

On 20th August 2015, Samani Charitra Prajna, VC, JVBI; Samani Aagam Prajna; Pradeep Chopra, Director of ILead; Dr. Phanikanta Mishra, Regional Director of Archaeological Survey of India, Eastern Zone; Kalpna Baid visited Governor's Samani introduced about the vision and mission, academics and activities of JVBI. House. VC, JVBI invited Governor **Keshari Nath Tripathi** on the Silver Jubilee Celebration organized on 1st November, 2015 in Kala Mandir, Kolkata. Tripathiji gave a very positive response to this.

A Round Table Interactive Symposium at ILead

A Round Table Interactive Symposium on "How Technology Would Change Higher Education" was held on 21st August 2015, which was organized by ILead (Institute of Leadership Entrepreneurship and Development). Many prominent Vice chancellors of various universities from India and abroad like Dr. Sugata Mitra, Prof. of Education Technology, Newcastle University, UK; Samani Charitra Prajna, VC, JVBI; Dr. Satyajit Chakraborty, VC, University of Engineering and Management; Dr. Ishwara Bhatt, VC, West Bengal National University of Juridical Sciences; Dr. Ashok S. Kolaskar, VC, Neotia University; Prof. Roger Hansel, President, Noble International University, Canada; Dr. Ashish Verma, Pro-Vice Chancellor, Jadavpur University, and many other Vice Chancellors participated in the conference. Initially, Pradeep Chopra introduced all the Vice Chancellors and presented the theme of the symposium. All the Vice Chancellors expressed their views on the techniques of higher education and later on discussed on it.

The essence of the symposium was that the technology is must in the modern era but they are just the supplementary. Technology can give us lot of information, google can help us to know many new things but it cannot help to know the process to perform the work. One will not like to be operated by the person who has learned to do operation from google. The second thing google cannot inculcate the values that a teacher can through his class presentations.

18th National Convention, Hyderabad

18th National Convention of Income Tax officer was held in Hyderabad on 27th Dec., 2015. VC, Samani Charitra Prajnaji, the chief guest of the program expressed her ideas on "Make a Life a Quality Life". More than 400 officers attended the convention. Sanjay Dhariwal conducted the whole program.

TPF Talk, Bangalore

27th December, 2015. Terapanth Professional Forum arranged a talk on "How to Get Success". Samani Charitra Prajna, VC, JVBI, said that success has various aspects. Man should not only think success from the money, name and fame, career point of view. Real success is achieved through morality, integrity, co-operation and service to mankind. The talk ended with the question - answer session.

Workshop on The Preservation of Heritage and Culture

On 24th August 2015, a workshop was organized by Pradeep Chopra at ILead on "The Preservation of Heritage and Culture". Two experts Debarshi Nayak from Ahmedabad University and Gopal Singh from Bikaner came to share their views regarding the importance of Heritage and Culture. They focused on the loss of our ancient heritage and culture with the loss of havalis, art, and architecture. They inspired people to understand their duties and responsibilities to save our ancient culture and art.

MoU with Noble Institution for Environmental Peace

21st August, 2015. JVBI did the MoU with Noble Institution for Environmental Peace, Toronto, Canada. President Prof. Biswajit Ganguly and Executive Director, Prof. Roger Hansell of NIEP signed MoU with Samani Charitra Prajna, VC, JVBI.

MoU with Archaeological Survey of India

21st August, 2015. JVBI did MoU with Archaeological Survey of India, Eastern Zone, West Bengal. Dr. Phanikanta Mishra, Regional Director of Archaeological Survey of India, Eastern Zone, signed MoU with Samani Charitra Prajna, VC, JVBI.

Meet with Deputy Chief of Commissioner,Embassy of Nepal

On 28th August 2015 Vice chancellor, Samani Charitra Prajna met Krishan Prasad Dhakal, the Deputy Chief of Commissioner, Embassy of Nepal in order to have student exchange and faculty exchange programs and as well as MoUs with different institutions of Nepal. The Deputy Chief was much impressed by the vision and mission of the institute and agreed to take the initiative for the exchange program.

जीवन विज्ञान दिवस

संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्त्वावधान में जीवन विज्ञान दिवस का आयोजन संस्थान के सेमीनार हॉल में 24 नवम्बर 2015 को समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि जीवन विज्ञान जीवन को संतुलित रूप से जीने का माध्यम है। जीवन विज्ञान भाव शुद्धि एवं भावनात्मक विकास का सेतु है। समारोह में बोलते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि जीवन विज्ञान समाज में स्वस्थ व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने जीवन विज्ञान को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास का माध्यम बताते हुए प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में धारण करने पर बल दिया। कार्यक्रम में योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने स्वागत भाषण करते हुए जीवन विज्ञान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल ने जीवन विज्ञान की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। आभार ज्ञापन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने व्यक्त किया।

नि:शुल्क त्रैमासिक योग प्रशिक्षक पाठ्यक्रम

राजस्थान सरकार के राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के तत्वावधान में जैन विश्व भारती संस्थान के द्वारा तीन माह का योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रमाण पत्र का शुभारम्भ 31 दिसम्बर 2015 को किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा संचालित यह कोर्स त्रैमासिक होगा। शिविर के दौरान आवासीय शिविरार्थियों को तीन माह तक नि:शुल्क भोजन एवं आवास की व्यवस्था उपलब्ध करवायी जायेगी। प्रो. धर ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आवासीय एवं गैर आवासीय दोनों रूपों में संचालित किया जायेगा। योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने बताया कि शिविर में 10वीं पास कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। पंजीयन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर किये जा रहे है। पंजीयन के लिए विश्वविद्यालय के योग विभाग में सम्पर्क किया जा सकता है। शिविर के उपरांत विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र उपलब्ध करवाया जायेगा।

शिक्षक दिवस मनाया

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर 4 सितम्बर को कार्यक्रम आयोजित किया गया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में आयोजित समारोह की अध्यक्षता कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो अनिलधर, प्राचार्य डॉ समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी अपने-अपने विचार रखे। छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नेहा सोनी व कमला पारीक ने किया।

विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शिक्षक दिवस समारोह अध्यक्ष प्रो आरबीएस वर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। प्रो वर्मा ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में अध्यक्ष प्रो बीएल जैन की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस व जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया गया।

नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण

संस्थान में भारत सरकार के केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से स्थापित स्मार्ट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत आधुनिक कटिंग-सिलाई एवं कढाई-बुनाई प्रशिक्षण के लिए अनुसूचित जाति के युवक-युवतियों से आवेदन आमन्त्रित किये गये। कोर्स के लिए साक्षात्कार 11 अगस्त को एटीडीसी सेन्टर पर रखा गया। विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा के निर्देशन में संचालित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार की ओर उन्मुख करना है। संस्थान के कुलसचिव डॉ अनिलधर ने बताया कि भारत सरकार के स्मार्ट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के युवक-युवतियों को एडवांस सिलाई एवं कढाई बुनाई का तीन माह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शोध कार्य के लिए चिंतन क्षमता का विकास जरूरी-कुलपति

संस्थान के शोध विभाग के अन्तर्गत शोधार्थियों का यूजीसी नियमानुसार कोर्स वर्क फोर पीएच.डी. स्टूडेंन्ट्स का शुभारम्भ कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में 9 अक्टूबर को सेमीनार हॉल में हुआ। देश भर से समागत शोधार्थियों को संबोधित करते हुए समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शोध महत्त्वपूर्ण कार्य होता है। शोध के लिए व्यक्ति का मानस परिष्कृत होने के साथ चिंतन क्षमता से परिपूर्ण होना चाहिए। शोध विभाग के निदेशक प्रो. आरबीएस वर्मा ने शोध कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए वैकल्पिक सूचना तंत्र पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किये। कुलसचिव प्रो. अनिलधर ने शोधार्थी के विकास के लिए रिसर्च वर्क कार्यशाला का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए समाज कार्य विभाग के एसोशिएट प्रो. डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने शोध से संबंधित जानकारी से अवगत करवाया। शोधार्थियों को नामांकन, परिचय, आईस ब्रेकिंग अभ्यास, पुस्तकालय आदि से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यशाला 23 अक्टूबर तक आयोजित की गयी।

समाज कार्य विभाग

किसान, मजदूर एवं दलित वर्ग का उत्थान समाज कार्य का मुख्य अंग - अरुणा रॉय

संस्थान के समाज कार्य विभाग एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक समाज कार्यकर्त्ता संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय थर्ड इण्डियन सोशियल वर्क कांग्रेस का उद्घाटन 24 अक्टूबर, 2015 को संस्थान के एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि देश की प्रख्यात समाजसेविका रमन मैग्सेसे अवार्ड विजेता अरुणा रॉय ने देश-विदेश से समागत समाज कार्य विभाग के विद्वानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश की शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन की अपेक्षा है। मूल्यों से प्रेरित शिक्षा को समाज का आधार बताते हुए उन्होंने सामाजिक क्रांति के लिए सूचना के अधिकार को अधिक से अधिक विस्तार देने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने समाज सेवा को जीवन का विशिष्ट उपक्रम बताते हुए शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों को जोड़ने का आह्वान किया। समारोह के मुख्य वक्ता दिल्ली के डॉ. राजेश टण्डन ने समाज कार्य विभाग के विविध कार्यों की मीमांसा करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ अध्यात्म आज की जरूरत है। राष्ट्रीय व्यावसायिक समाज कार्यकर्त्ता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संयज भट्ट ने कांग्रेस के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संघ द्वारा किये जा रहे कार्यों को रेखांकित किया। इस अवसर पर मंच पर जैन विश्वभारती के अध्यक्ष डॉ. धर्मचन्द लूंकड़ भी उपस्थित थे।

इससे पूर्व समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष एवं कांग्रेस के संयोजक प्रो. आर.बी.एस. वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजकीय पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारम्भ समणी वृन्द द्वारा प्रस्तुत मंगल संगान से हुआ। इस अवसर पर जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के संस्थान गीत का संगान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जितेन्द्र कुमार वर्मा ने एवं आभार ज्ञापन संघ के सचिव प्रो. सुरेश पठारे ने किया। अतिथियों का स्वागत धर्मचन्द लूंकड़, प्रमोद बैद, शांतिलाल गोलछा, रमेशचन्द बोहरा, प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी आदि ने किया। इस कांग्रेस में 28 राज्यों के 400 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स्मारिका का हुआ विमोचन

इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि अरुणा रॉय एवं कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। स्मारिका में देश-विदेश के विद्वानों द्वारा त्रिदिवसीय सेमिनार में प्रस्तुत किये जाने वाले शोध-पत्रों को शामिल किया गया है।

लाइफ टाईम अचीवमेण्ट अवार्ड प्रदान

राष्ट्रीय व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता संघ द्वारा प्रतिवर्ष देश विदेश के विद्वानों को दिये जाने वाले लाईफ टाईम अवार्ड प्रदान किये गये, जिसमें प्रो. एच.वाई. सिद्दीकी, प्रो. आर.आर. सिंह, प्रो. वेंकट पुला, प्रो. एलेक्स गोनसॉलवेज व श्रीगणेशन को मुख्य अतिथि अरुणा रॉय द्वारा अवार्ड प्रदान किये गये। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले मार्था फरेल फाउण्डेशन स्कॉलरशिप अवार्ड अखिला एवं प्रभात भारतीय को दिये गये।

कांग्रेस के द्वितीय दिवस 25 अक्टूबर को देश भर से आये विद्वानों ने विविध सत्रों के माध्यम से पत्र वाचन किये। विश्वविद्यालय के विविध चार स्थानों पर संयोजित प्रथम सत्र में समाज कार्य में स्वास्थ्य एवं देखभाल की भूमिका, मानसिक स्वास्थ्य एवं समाज कार्य, समाज कार्य शिक्षा में चुनौतियां व जिम्मेदारियां विषय पर व्यापक चर्चा की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के अरूण कुमार यादव, दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ रविन्द्र सिंह, दिल्ली स्कूल ऑफ सोशियल वर्क डॉ ज्योतिका तनेजा, एम्स दिल्ली के लिमा एवं रोहिणी सहगल, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की डॉ पुष्पा मिश्रा व लक्ष्मण माली, मनीपाल विश्वविद्यालय से सुष्मिता कामत, शांति निकेतन के प्रो अशोक कुमार सरकार आदि ने समाज कार्य में स्वास्थ्य एवं देखभाल विषय पर पत्र वाचन कर चर्चा की। इसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य एवं समाज कार्य विषय पर डॉ बीआर अम्बेडकर यूनिवर्सिटी आंध्रप्रदेश के डॉ वनजा दंतूलूरी, एमजी काशी विद्यापीठ वाराणसी से सुश्री जागृति, मिजोरम विश्वविद्यालय के रामेनगमावी रेंथली, एलजीआईबी इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ आसाम के डॉ आरिफ अली, एमएस यूनिवर्सिटी बड़ोदा के डॉ जयालक्ष्मी आर मेंहती आदि ने पत्र वाचन किये। वहीं कर्नाटक विश्वविद्यालय के डॉ एम जर्नादन व डॉ के सरकार, डॉन बास्को इंस्टीट्यूट केरला की श्रीमती एड्ना जोशे, मौलाना आजाद विश्वविद्यालय हैदराबाद के प्रो मोहम्मद साहिद, डॉ एसएमएनआर विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश के रूपेश कुमार सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो सुषमा बत्रा, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के डॉ रश्मि जैन, बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के मोहम्मद हुसैन, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के प्रो एमएम वर्मा, विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय मेघालय की संगीता मेहता आदि ने समाज कार्य शिक्षा में चुनौतियां व जिम्मेदारियां विषय पत्र वाचन करते हुए व्याख्यान दिया। इसी प्रकार शनिवार को असक्षमता एवं समाज कार्य, वरिष्ठ नागरिक व समाज कार्य, पर्यावरण व समाज कार्य, दलित व जनजातीय विषयक समाज कार्य अभ्यास, समाज में व्यवसायिक प्रबंधन की चुनौतियां व समाधान, लिंग भेद व समाज कार्य विषय पर देश भर से आये विद्वानों ने पत्र वाचन करते हुए चर्चा की।

सांस्कृतिक संध्या पर कलाकारों ने दी मनभावन प्रस्तुति

कांग्रेस के द्वितीय दिवस 25 अक्टूबर की संध्या एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नेहा मिश्रा द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना के साथ हुआ। करूणा व समूह ने राजस्थानी लोक नृत्य केशरिया बालम प्रस्तुत कर राजस्थानी संस्कृति का परिचय दिया। साक्षी शर्मा व अंकिता मारू, प्रिंस व साक्षी, प्रभा जांगीड़ ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। योग विभाग द्वारा डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत के नेतृत्व में योगा का प्रदर्शन किया। प्रेम सोलकी व समूह, करूणा शर्मा, सुष्मिता नाहर, पुष्पा चौधरी, पूजा शर्मा, रिया व निकिता ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। शीतल व मीनू रोडा, गौरव व साथियों द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। छात्रा प्रेम सोलंकी, प्रख्यात कवि गौरव दीक्षित मासूम ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा पेरोडी प्रस्तुत की गई। डॉ विवेक माहेश्वरी ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को देश भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का संयोजन प्रभा व दिव्या जागीड़ ने किया। आभार ज्ञापन डॉ अमिता जैन ने किया।

समापन समारोह

त्रिदिवसीय थर्ड इण्डियन सोशियल वर्क कांग्रेस का समापन समारोह 26 अक्टूबर 2015 को संस्थान के एसडी घोडावत ओडिटोरियम में रखा गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान लॉ कमिशन के पूर्व अध्यक्ष व राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश विनोद शंकर दवे ने कहा- समाज सेवा के प्रति समर्पण होने से ही देश की दिशा को बदला जा सकता है। दवे ने आचार्य तुलसी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज में सामाजिक विकास के लिए अणुव्रत जैसा महत्वपूर्ण आंदोलन दिया जो देश के नैतिक चरित्र के साथ समाज को नई दिशा दिखाने में सक्षम है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जिम्मेदारी के अहसास से ही सेवा की राह पर चला जा सकता है। जरूरत है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जवाबदारी का निर्वहन सजगता के साथ करे। बिहार की आईएएस अधिकारी डॉ रश्मि सिंह ने कहा कि व्यक्ति को पहचान के लिए नहीं, सेवा के लिए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर चैन्नई के समाजसेवी डॉ सुगालचन्द जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इसके पूर्व कांग्रेस के संयोजक प्रो आरबीएस वर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए त्रिदिवसीय कांग्रेस का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होने बताया कि इस राष्ट्रीय कांग्रेस में 438 विद्वानों ने भाग लिया। 18 सेशन में आयोजित कांग्रेस में 61 संस्थानों के 246 विद्वानों ने पत्रवाचन किये। इस अवसर पर समाज कार्य से जुडी चार पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ जितेन्द्र कुमार वर्मा एवं आभार ज्ञापन संघ के अध्यक्ष प्रो संजय भट्ट ने किया।

इस समारोह में एचआईवी के प्रति जागरूकता एवं सजगता, मानवाधिकार एवं समाजकार्य, सामाजिक न्याय एवं समाजकार्य आदि विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। सत्र में प्रो शरद जोशी की अध्यक्षता में डॉ आमोद, डॉ समणी शशि प्रज्ञा , प्रो सुषमा बत्रा, शशिकांत श्रीवास्तव, डॉ कौशल किशोर, प्राणज्योति कलिता, सी वनलाल हरेती, कविता गौतम, प्रो वंदना सिन्हा आदि ने शोध पत्रों का वाचन किया।

समाज सेवा के लिए प्रायोगिक कार्य जरूरी- अन्ना हजारे

प्रख्यात समाजसेवी अन्ना हजारे द्वारा दिये गये 40 मिनिट के विडियो वक्तव्य का प्रसारण किया गया। अन्ना हजारे ने अपने संदेश में कहा कि आज समाज सेवा में हर व्यक्ति आने को आतुर है लेकिन प्रायोगिक रूप से काम करने में कठिनाई अनुभव करता है जिसको परिष्कृत करने की आवश्यकता है। अन्नाहजारे ने कहा समाज सेवा के लिए स्वयं को बीज की भांति खपाना व तपाना पड़ता है तभी वह बीज आगे जाकर वटवृक्ष का रूप धारण करता है।

समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने किया पशु मेले का अवलोकन

संस्थान के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने पाबोलाव में चल रहे पशु मेले का अवलोकन 19 सितम्बर को किया। विद्यार्थियों ने वहां संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। विकास अधिकारी व मेला प्रभारी मुरारीलाल शर्मा ने विद्यार्थियों को मेले से संबंधित जानकारी से अवगत करवाया। विधायक मनोहर सिंह ने बताया कि पंचायत समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस मेले में पंजाब, हरियाणा, गुजरात एवं मध्यप्रदेश से भी पशु पालक आते हैं। विभाग के विद्यार्थी संजय कुमार एवं कुमारी गंगा के नेतृत्व में विद्यार्थियों के दल ने पशु पालकों से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मेले में लगे अस्थायी कार्यालय थानाधिकारी कार्यालय, पशु चिकित्सालय, चिकित्सालय, मेला अधिकारी कार्यालय से विविध आंकड़ों का एकत्रीकरण किया।

विज्ञान और जैन दर्शन पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा 8-10 जनवरी को आईआईटी मुंबई में विज्ञान एवं जैन दर्शन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय एवं आईआईटी मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देश विदेश के जैन-अजैन विद्वानों ने सहभागिता की।

इस सम्मेलन में इंटरनेशलन कोर्ट ऑफ जस्टिस नीदरलैण्ड के जज, दलवीर सिंह भंडारी, प्रो मुनि श्री महेन्द्रकुमार जी, भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीकि मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिश आदर्श गोयल, राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधिश जसराज चौपडा, बिजनेस वर्ल्ड पत्रिका के ग्रुप चैयरमैन अनुराग बन्ना, एनम सिक्युरिटीज के चैयरमैन वल्लभ भंसाली, दलाई लामा फाउंडेशन के सेक्रेटरी राजीव मेहरोत्रा सहित देश के 25 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति व निदेशक उपस्थित थे। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बसंतराज भण्डारी, कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, आईसीएसजेपी के अध्यक्ष डॉ. के.पी. मिश्रा, आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर डी पार्थपारथी, पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय (यूएसई) के डॉ जेफ्री डी लोग, क्योटो परफेक्चुअल विश्वविद्यालय (जापान) के प्रोफेसर काज़ुयुकी अकासाका, और बीएमआईआरसी की कार्यकारी निदेशक डॉ समणी चैतन्यप्रज्ञा सहित बड़ी संख्या में वैज्ञानिक और विद्वान उपस्थित थे। सम्मेलन में सौ से अधिक विद्वानों ने पत्र वाचन किया। सम्मेलन में देश विदेश के 650 संभागियों का पंजीयन हुआ।

जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ

जैन दर्शन व बौद्ध दर्शन के सिद्धांत सर्वमान्य – प्रो. चौधरी

संस्थान के जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग एवं इंडियन सोसायटी फार बुद्धिस्ट स्टडी के तत्त्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय 15वीं जैन एवं बौद्ध धर्म विषयक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ 11 दिसम्बर को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुजरात के कुलपति प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने कहा कि जैन धर्म व बौद्ध धर्म में अनेक सर्वमान्य सिद्धांत है जिसने विश्व को प्रभावित किया है। प्रो. चौधरी ने वैदिक, जैन व बौद्ध दर्शन के समन्वय पर बल दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. सागरमल जैन ने कहा कि मूलग्रंथों के वाचन की परम्परा बढ़नी चाहिए। इससे ही दर्शन को सुगमता के साथ समझा जा सकता है। जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि समन्वय का स्वरूप प्रायोगिक रूप से सामने आने से उपयोगी बन सकता है। जैन, बौद्ध व वैदिक संस्कृति को समझकर सत्य के व्यापक स्वरूप तक पहुंचा जा सकता है।

इससे पूर्व कॉन्फ्रेस की निदेशक व विभागाध्यक्ष प्रो समणी चैतन्यप्रज्ञा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूप रेखा प्रस्तुत की। इस त्रिदिवसीय सम्मेलन में देश भर के 150 से अधिक विद्वानों ने पत्रवाचन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समणी मृदुप्रज्ञा द्वारा जैन मंगलसंगान एवं बौद्ध भिक्षु प्रियानन्द भिक्खु द्वारा प्रस्तुत बौद्ध प्रार्थना से हुआ। इस अवसर पर इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट के अध्यक्ष प्रो. एसपी शर्मा अलीगढ़ ने सोसायटी का परिचय देते हुए कमला देवी की स्मृति में दिये जाने वाले मंजूश्री सम्मान मुंबई की मीना पालीन को प्रदान किया। सचिव प्रो. बैद्यनाथ लाभ जम्मू ने भी अपने विचार रखे। अतिथियों का स्वागत प्रो. अनिता बिलारिया, प्रो. ललित गुप्ता, प्रो. बी लाभ, श्रीमती सरस्वती, प्रो. अनिल धर, प्रो. बी.आर. दूगड़ आदि ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. योगेश कुमार जैन एवं आभार प्रो. बी. लाभ ने व्यक्त किया।

सेमीनार के द्वितीय दिवस में दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध दर्शन विभाग के प्रो केटी सराव ने बौद्ध धर्म दर्शन पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दर्शन के प्रख्यात विद्वान प्रो. सागरमल जैन, कोलकाता के प्रो. सुभाषचन्द्र शाह ने जैन विश्व भारती संस्थान को जैन दर्शन का विशिष्ट केन्द्र बताया। देश भर से आये विद्वानों ने विविध विषयों पर पत्रवाचन किया। विश्वविद्यालय के महाप्रज्ञ सभागार एवं सेमीनार हॉल में आयोजित अलग-अलग सत्रों में प्रो. अंगराज चौधरी व प्रो. केसी शाह की अध्यक्षता में अर्पिता मित्रा कोलकाता, नवतम सिंह, प्रो. डीसी जैन, अश्विनि कुमार जम्मू, प्रो. अविनाश, अब्दुल गफ्फार, मेवालाल चैतन्य, डॉ. बीना गौर दिल्ली, डॉ. हेमलता जैन, श्वेताजैन, प्रो. केदारनाथ शर्मा, शांति देव सिसोदिया, प्रो केटी सर्राफ, डॉ. अम्बानिका सूद, संघ मित्रा भट्टाचार्य, डॉ सीबी मिश्रा, प्रतिभा शर्मा, डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा आदि ने विविध विषयों पर पत्र वाचन किया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तीर्थसंरक्षिणी महासभा के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार सेठी ने जैन दर्शन का प्रचार-प्रसार विदेशों में कैसे हो तथा विदेशों में स्थित जैन विरासत के संरक्षण पर बल दिया।

पुस्तक व स्मारिका का हुआ विमोचन

मुख्य अतिथि प्रो. अर्कनाथ चौधरी व अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका एवं डॉ. योगेश कुमार जैन की पुस्तक 'जैन न्याय को आचार्य प्रभाचन्द्र का योगदान' का विमोचन भी किया गया।

त्रैमासिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

अहिंसक जीवन शैली सुख का आधार– प्रो. किम

संस्थान के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग एवं भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में 1 अगस्त, 2015 को आयोजित त्रैमासिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए ग्वाम विश्वविद्यालय के प्रो किम ने कहा कि विश्व के सभी धर्मों में आत्मिक शांति की प्राप्ति के लिए अहिंसा की मुख्यता को व्याख्यायित किया है। इसके उपयोग से हम सभी आत्मिक शांति के साथ विश्वशांति की दिशा में आगे बढ़ सकते है। अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. समणी चैतन्यप्रज्ञा व डॉ. योगेश जैन ने किया।

अगस्त, 2015 माह में आयोजित अहिंसक जीवन शैली की प्रासंगिकता विषयक व्याख्यान माला को संबोधित करते हुए अमेरिका के ग्वाम विश्वविद्यालय के प्रो किम ने वैश्विक आचार मीमांसा एवं जैन आचार मीमांसा की तुलना करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति पूर्णत: अहिंसक रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने अहिंसा के बल पर आजादी प्राप्त कर अहिंसा बल को प्रतिष्ठापित किया है। अहिंसा जीव दया, करूणा, दान व भक्ति की भावना पर आधारित है। यही सुखी जीवन का आधार है। प्रत्येक शनिवार को प्रो. किम का व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए रखा गया है।

पंच दिवसीय कार्यशाला

भारतीय अभिलेख व पाण्डुलिपि कार्यशाला

27 जुलाई 2015 को भारतीय अभिलेख एवं पाण्डुलिपि विज्ञान विषयक पंचदिवसीय कार्यशाला प्रारंभ हुई। उद्घाटन सत्र में कार्यशाला के संभागियों को संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशिक्षक प्रो. रवीन्द्र कुमार वशिष्ट ने कहा कि भारतीय संस्कृति को जानने में पाण्डुलिपि का महत्वपूर्ण योगदान है। प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग की सहआचार्य डॉ. संगीतप्रज्ञा ने कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष प्रो. दामोदर शास्त्री ने अध्यक्षता करते हुए जीवन में ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने किया।

जम्मू

प्राकृत शिक्षण कार्यशाला

संस्थान के प्राच्यविद्या एवं भाषा विभाग द्वारा 23 नवम्बर से 02 दिसम्बर 2015 तक प्राकृत शिक्षण शिविर का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर, जम्मू में किया गया। इस शिविर में लगभग 120 प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की। इन प्रशिक्षणार्थियों में वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राध्यापकों ने भी पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के प्राचार्य प्रो. देवनाथन ने की तथा मुख्य अतिथि शिविर के मुख्य प्रशिक्षक प्रो. दामोदर शास्त्री थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मंगलाचरण से हुआ तत्पश्चात् प्रो. दामोदर शास्त्री ने इस शिविर के उद्देश्यों को बताते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. देवनाथन ने संस्कृत एवं प्राकृत दोनों भाषाओं का भारतीय संस्कृति के आधार स्तम्भ के रूप में बताते हुए इनकी ऐतिहासिकत पृष्ठभूमि की विवेचना की। कार्यक्रम के अध्यक्ष कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. शरतचन्द्र शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्कृत-प्राकृत दोनों भाषाओं के वैशिष्ट्य को प्रतिपादित किया। इस शिविर के अन्तर्गत प्रतिदिन दो घण्टे की कक्षाएं आयोजित की गयीं। जिसमें प्राकृत व्याकरण एवं प्राकृत भाषा की सामान्य विशेषताओं के साथ-साथ उसकी उत्पत्ति, विकास एवं उसकी प्राचीनता के विषय में प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया। प्रो. दामोदर शास्त्री ने प्रशिक्षण के दौरान संभागियों को प्राकृत भाषा के विशाल साहित्य, समृद्ध व्याकरण एवं अन्य विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया। सहायक आचार्य डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने प्रशिक्षण के दौरान प्राकृत के साहित्यिक एवं ऐतिहासिक पक्ष पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्य सामग्री के वितरण के अतिरिक्त पीपीटी द्वारा भी प्रशिक्षण दिया गया।

2 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे इस शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. नरेन्द्र झा ने इस प्रशिक्षण शिविर की उपयोगिता पर बल देते हुए प्राकृत के महत्व पर प्रकाश डाला। अन्त में शिक्षा विभाग के प्रो. बच्चासिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। अन्त में फीड बेक द्वारा प्रशिक्षणार्थियों से उनके अनुभव जाने गये। सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने इस कार्यक्रम की सराहना की तथा भविष्य में इस तरह की आयोजना पर बल दिया। विक्रमसिंह एवं मेघमाला ने प्राकृत भाषा में अपने अनुभव व्यक्त किये।

भुवनेश्वर

प्राकृत शिक्षण कार्यशाला

प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग और उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर के जैन चेअर के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय (30 नवम्बर-10 दिसम्बर) प्राकृत शिक्षण कार्यशाला, भुवनेश्वर (उड़ीसा) में आयोजित हुई। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा और समणी सम्यक्त्व प्रज्ञा के निर्देशन में समायोजित यह कार्यशाला जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर, पी.जी. संस्कृत विभाग उत्कल विश्वविद्यालय और राजधानी कॉलेज इन तीनों स्थानों पर अलग-अलग रखी गई।

जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर में यह कार्यशाला 4-10 दिसम्बर तक प्रातः 9 से 10 बजे तक रखी गई जिसमें संस्कृत के अध्यापक-अध्यापिकाओं सहित 78 छात्र-छात्राएं इसमें अत्यन्त उत्साह के साथ सहभागी बने। उत्कल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में 20 शोधार्थियों एवं विद्यार्थी वर्ग ने भाग लिया। इसी तरह राजधानी कॉलेज में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रकार शिविर में लगभग 100 से अधिक संभागी उपस्थित हुए। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने प्राकृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसके इतिहास और प्राकृत भाषा का उड़िया भाषा पर कितना प्रभाव है, इन सभी तथ्यों को हिन्दी एवं उनकी मातृभाषा 'उड़िया' के द्वारा बहुत ही सरल भाषा में समझाया। समणी सम्यक्त्वप्रज्ञा ने प्राकृत भाषा के सामान्य नियमों से अवगत करवाया।

कार्यशाला के अलावा जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर एवं संगीत महाविद्यालय में 'प्राकृत एवं जैन धर्म' पर समणी डॉ. संगीतप्रज्ञा का वक्तव्य रखा गया। अणुव्रत समिति, भुवनेश्वर द्वारा हिन्दी अनुज वाचनालय में प्राकृत और उड़िया भाषा विषय पर संगोष्ठी रखी गई जिसमें हिन्दी भाषा से जुड़े हुए विद्वत्वर्ग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का समापन समारोह नवनिर्मित तेरापंथ भवन में रखा गया। जैन चेअर ऑफ उत्कल युनिवर्सिटी ऑफ कल्चर के कुलसचिव प्रो. सुमन दास इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्कल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुभाष दास, राजधानी कॉलेज की प्राचार्या, तेरापंथ सभा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष तथा महिला मण्डल के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला की संचालिका प्रो. सुचित्रादास अध्यक्ष जैन चेअर ने कार्यक्रम में संभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

संस्कृत दिवस आयोजित

संस्कृत सब भाषाओं की जननी-प्रो. धर

प्राच्यविद्या एवं भाषा विभाग द्वारा 31 अगस्त को संस्कृत दिवस मनाया गया। घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित इस समारोह में स्थानीय एवं बाहर से आये 200 प्रतिभागियों एवं अनेक विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति रही। प्रारम्भ में जैन विश्वभारती के मुख्य द्वार से समारोह स्थल तक एक विशाल रैली भी निकाली गई, जिसके द्वारा 'जयतु संस्कृतम्' घोष के साथ संस्कृत के महत्त्व का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं गीतिका प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम मुमुक्षु धरती, द्वितीय नितेश जैन व तृतीय स्थान पर समकित जैन व हरेन्द्र चौहान रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम मुमुक्षु धरती द्वितीय नितेश जैन व तृतीय मुमुक्षु सुरभि रहे। इसी क्रम में गीतिका प्रतियोगिता में प्रथम मुमुक्षु नम्रता, द्वितीय मुमुक्षु ममता व साकेत जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्नातक से निचले स्तर के छात्रों ने भी संस्कृत निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें प्रथम ताराचन्द चौहान, द्वितीय चन्दा चौहान एवं तृतीय राकेश शर्मा घोषित किये गये।

अन्त में समापन समारोह संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। तापड़िया संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमन्तकृष्ण मिश्र ने अतिथि विद्वानों का परिचय दिया। सभी विद्वानों को संस्थान की ओर से शॉल, स्मृति चिन्ह एवं साहित्य भेंटकर सम्मानित किया गया। विभाग के अध्यक्ष प्रो. दामोदर शास्त्री ने विविध दृष्टियों से संस्कृत के महत्व को रेखांकित किया।

डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, वेणुगोपाल भारद्वाज, सीताराम उपाध्याय आदि वक्ताओं ने संस्कृत के विषय में अपने महत्त्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा ने समापन समारोह के कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने आभार प्रकट किया।

एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 1 दिसम्बर, 2015 को किया गया। भ्रमण के दौरान एम.एड. व बी. एड. की छात्राओं ने स्थानीय पाबोलाव धाम, डूंगरबालाजी मन्दिर सहित अनेक स्थलों का भ्रमण किया। पाबोलाव धाम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धाम के महन्त स्वामी कमलेश्वर भारती ने नारीशक्ति को महान शिक्षिका का रूप बताते हुए कहा कि इस शैक्षणिक प्रशिक्षण का लाभ सभी छात्राओं को उठाना चाहिए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

प्रसार भाषण माला

शिक्षा विभाग में 20 अक्टूबर, 2015 को आयोजित प्रसार भाषण माला को संबोधित करते हुए सूचना एवं तकनीकी जेपी विश्वविद्यालय सोलन के डॉ अनिल सहरावत ने कहा कि शिक्षा मानवीय संसाधन का समुचित विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। शिक्षा का मूल आधार विद्यार्थी को सुयोग्य नागरिक के रूप में विकसित करते हुए राष्ट्र का निर्माण करना है। इससे पूर्व शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो बीएल जैन ने अतिथियों का परिचय एवं डॉ गिरीराज भोजक ने स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

गुरू पूर्णिमा पर्व का आयोजन

गुरू पूर्णिमा उत्सव में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बीएल जैन, छात्रा जयश्री लामरोड ने गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ मनीष भटनागर, डॉ अमिता जैन, डॉ विष्णुकुमार, डॉ आभासिंह, डॉ अदिति गौतम, डॉ गिरधारी शर्मा व कंचन कंवर ने भी अपने विचार रखे। संचालन छात्रा मोनिका ने किया।

संविधान दिवस का आयोजन

प्रो. बी.एल. जैन की अध्यक्षता में 27 नवम्बर, 2015 को संविधान दिवस का आयोजन समारोह पूर्वक किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनीष भटनागर, डा. बी. प्रधान, नीतू सोनी, प्रवीण कंवर आदि ने अपने विचार रखे। संचालन डॉ. विष्णु कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

मानवाधिकार दिवस

शिक्षा विभाग तथा अहिंसा एवं शांति विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'मानवाधिकार दिवस' कार्यक्रम 10 दिसम्बर 2015 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. अनिल धर, प्रो. रेखा तिवारी, प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. मनीष भटनागर एवं छात्राध्यापिकाओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

प्रतियोगिताओं के शुभारम्भ पर सद्भावना दौड़

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में त्रिदिवसीय विविध खेल कूद प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ 3 दिसम्बर, 2015 को किया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग की छात्राओं द्वारा सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत बैडमिंटन, खो-खो, दौड़, कैरम, कबड्डी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

शिक्षक दिवस

शिक्षा विभाग के अन्तर्गत श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तथा शिक्षक दिवस का आयोजन 4 सितम्बर को किया गया। इस अवसर पर प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि यदि सभी शिक्षक अपने कर्त्तव्य को ईमानदारी से निर्वाह करें तो हमारा देश अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल हो सकता है।

कार्यक्रम में शिक्षा संकाय सदस्य डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. भावाग्राही प्रधान, डॉ. अमिता जैन ने अपने विचार व्यक्त किये तथा डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. सरोज राय एवं डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सरोज राय ने किया।

हिन्दी दिवस

हिन्दी दिवस का आयोजन 14 सितम्बर को मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बीएल जैन ने कहा कि हमें हिन्दी भाषा के प्रति सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। यह हमारी संस्कृति की धरोहर है। इसे समृद्ध बनाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ गिरधारीलाल शर्मा, सरिता यादव, दमयन्ती ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

गाँधी जयन्ती

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में गाँधी जयन्ती का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों एवं छात्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

विद्यार्थी दिवस

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्म दिवस को विद्यार्थी दिवस के रूप में 15 अक्टूबर, 2015 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. कलाम के जीवन से हमें कर्त्तव्यनिष्ठा एवं समय की प्रतिबद्धता की सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. गिरिराज भोजक तथा डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने भी अपने विचार रखे।

विद्यार्थी दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग में नवागन्तुक बी.एड. छात्राध्यापिकाओं के लिए 'व्यक्तित्व विकास तथा अभिव्यक्ति कौशल विकास' कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। डॉ. अमिता जैन एवं डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति विकास हेतु गतिविधियां आयोजित की।

नवरात्रा एवं दशहरा के अवसर पर कार्यक्रम

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में नवरात्रा एवं दशहरा पर्व का आयोजन 21 अक्टूबर, 2015 को किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. गिरिराज भोजक एवं सरिता यादव ने विचार व्यक्त किये। मंच संचालन डॉ. मनीष भटनागर ने किया।

अन्त:करण की शुद्धि का पर्व है संवत्सरी

गणेश चतुर्थी व संवत्सरी पर्व का आयोजन 18 सितम्बर को किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि संवत्सरी अन्त:करण की शुद्धि का पर्व है। इस कार्यक्रम में शिक्षक एवं छात्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में दीपावली पूर्व स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें सुमन स्वामी, सीता गुर्जर, रेणु, खुशबू, गुंजन आदि ने नृत्य की प्रस्तुतियां दी। खूशबू योगी, खुशवन्त व सरिता यादव ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अमिता जैन ने किया।

अहिंसा एवं शांति विभाग

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

अनेकांत : व्यवहार पालन का दर्शन – प्रो. दाधीच

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग व महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्वावधान में आईसीएसएसआर नई दिल्ली के सौजन्य से **Anekant : A Dialogue on Human Concerns** त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ 26 नवम्बर, 2015 को विश्वविद्यालय के एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास अध्ययन संस्थान जयपुर के निदेशक प्रो. नरेश दाधीच ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जैन धर्म दर्शन का आधार अनेकांत है। उन्होंने अनेकांत को व्यवहार पालन का सर्वोत्तम दर्शन बताया। अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि अनेकांत दर्शन सबके अस्तित्व को स्वीकार करता है। उन्होंने सकारात्मक चिंतन के माध्यम से अनेकांत को समझने का आह्वान किया। संगोष्ठी के उद्घाटनकर्ता महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, अजमेर के प्रो. कैलाश सोडानी ने कहा कि वर्तमान में विश्व स्तर पर व्याप्त तमाम समस्याओं का समाधान अनेकांत दर्शन से सम्भव है। समारोह के विशिष्ट अतिथि काशी विद्यापीठ वाराणसी के प्रो. सतीश राँय ने कहा कि अनेकांत दर्शन जैन दर्शन की विशिष्ट अवधारणा है। समारोह के विशिष्ट अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. राजेन्द्र मिश्र ने अपने सारगर्भित विचार रखें। इस अवसर पर प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी के निदेशक व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने स्वागत भाषण देते हुए त्रिदिवसीय संगोष्ठी की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. समणी अमलप्रज्ञा ने एवं आभार डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया। इस त्रिदिवसीय संगोष्ठी में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्रो. हरदयाल राठौड़, प्रो. अरूण चतुर्वेदी, सिकन्दराबाद से प्रो. राजेश्वर प्रसाद, पटियाला से प्रो. गुरूविन्दर कौर, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शाह, नाथद्वारा से कुलपदीप, पाली से सीएल सुथार, नोखा से डॉ. एसएन राजपुरोहित सहित अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सेमिनार में विराटनगर (नेपाल) के सिटी कॉलेज के तीर्थराज धीमरे एवं अच्युतराज काट्टेल भी सहभागी बनें एवं अपने पत्रों का वाचन किया।

27 नवम्बर को द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में हिंसा और नफरत को रोकने में" अनेकांत की व्यावहारिकता" विषय पर पत्र वाचन किये। प्रो. आरबीएस वर्मा की अध्यक्षता में किये गये सत्र के मुख्य वक्ता सुरेन्द्र सोनी व सहवक्ता डॉ. प्रणव पाण्डे थे। इसी प्रकार द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता जैन धर्म एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग की अध्यक्ष प्रो. समणी चैतन्यप्रज्ञा व डॉ. सुमन ने अनेकांत दर्शन में निहित अहिंसा को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर खुला सत्र का आयोजन भी किया गया। जिसमें विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने विविध जिज्ञासाएं प्रस्तुत की। उपस्थित विद्वानों द्वारा अनेकांत के माध्यम से जिज्ञासाओं को समाहित किया गया। इसी प्रकार संगोष्ठी के तृतीय सत्र में प्रो. बी.एल. फडीया की अध्यक्षता में डॉ. सतीश गुप्ता, प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञा ने एकता विषय पर अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

संगोष्ठी के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. एलएस राठौड़ ने कहा कि अहिंसा हमेशा प्रांसगिक रही है। अहिंसा के पालन से ही मूल्यों का समुचित विकास किया जा सकता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि अहिंसा एवं अनेकांत दोनों का परस्पर सहयोगी है। अहिंसा से ही अनेकांत को समझा जा सकता है वहीं अनेकांत को समझने के लिए अहिंसा को समझना होगा।

समारोह के विशिष्ट अतिथि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्रो. पीएस भाटी ने कहा कि जैन विश्व भारती संस्थान विश्व का एक ऐसा संस्थान है जो अहिंसा एवं शांति की शिक्षा को समर्पित है। इससे पूर्व कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा अनेकांत के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जुगलकिशोर दाधीच व लक्ष्मी सिंघी ने व आभार ज्ञापन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. एलएस राठौड़, विशिष्ट अतिथि प्रो. पीएस भाटी व कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा सहित अतिथियों ने विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की वार्षिक पत्रिका हंसवाहिनी एवं अनेकांत राष्ट्रीय संगोष्ठी की सीडी का विमोचन किया। 27 नवम्बर की संध्या विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

विश्व दर्शन दिवस पर कार्यशाला

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग व महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोधपीठ के तत्वावधान में विश्व दर्शन दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 नवम्बर को विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमाशंकर व्यास ने कहा दर्शन न्याय का पर्याय है, दर्शन के माध्यम से ही न्याय को सही मायने में प्रकट किया जा सकता है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि दर्शन को समझने से ही द्वन्द्वों से मुक्ति पायी जा सकती है। इस अवसर पर पांचाला सिद्धा के प्रख्यात महंत स्वामी सूरजनाथ सिद्धी ने कहा कि दर्शन को समझने के लिए व्यक्ति को जीवन व व्यवहार को संतुलित करना पड़ेगा। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विविध विद्वानों ने दर्शन दिवस की महत्ता उजागर करते हुए अनेक विषयों पर चर्चा की। प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञा ने अनेकांत : व्यवहार एवं सिद्धांत, प्रो. बी.आर. दूगड़ ने पारिवारिक समन्वय एवं अनेकांत, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने अनेकांत की व्यवहारिकता, प्रो. अनिल धर ने अनेकांत की उपादेयता विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समणी प्रणवप्रज्ञा द्वारा प्रस्तुत मंगल संगान से हुआ। संयोजन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज व डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

अहिंसा दिवस

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में अहिंसा दिवस का आयोजन 1 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो बच्छराज दुगड ने कहा कि महात्मा गाधी ने विश्व को अहिंसा एवं शांति का संदेश दिया। गांधी के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए प्रो दुगड़ ने गांधी के जीवन में गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। सहायक आचार्य रविन्द्रसिंह राठौड ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलायी है। कार्यक्रम में राधा प्रजापत, ऋतु चौहान, रविन्द्र राज,सुनिता सारस्वत आदि ने गांधी जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। संस्थान के शिक्षा विभाग में भी अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो बीएल जैन ने महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए संयमित जीवन को प्रभावी व्यक्तित्व विकास का आधार बताया।

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अक्टूबर को महाप्रज्ञ सभागार में हुआ। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने कहा कि युवा अहिंसा को जीवन में अंगीकार करें, तभी देश एवं समाज का विकास संभव है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के प्रो. बी.आर. दूगड़ ने युवाओं को अहिंसा एवं शांति को जीवन का ध्येय बनाने का आह्वान किया।

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने युवाओं को कॅरियर निर्माण के साथ मूल्यों से प्रेरित शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन शोधार्थी लक्ष्मी सिंघी ने किया। प्रशिक्षण शिविर में सेंटजीवियर्स स्कूल के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अहिंसक वैश्विक व्यवस्था वर्तमान की आवश्यकता– प्रो. दाधीच

संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्वावधान में 29 जुलाई को संचालित इण्टरनेशलन समर स्कूल के अण्डरस्टेडिंग जैनिज्म में देश विदेश के पहुंचे स्कॉलर को संबोधित करते हुए वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति नरेश दाधीच ने कहा कि अहिंसा गुणसपन्न व्यवस्था मानव एवं सर्वप्राणी के अस्तिव के लिए जरूरी है। वैश्विक व्यवस्था में न्याय एवं प्रेम के बाहुल्य के लिए सत्य, शांति, प्रेम, धैर्य, संतोष, सहिष्णुता आदि आवश्यक है जो विश्व के सर्व प्राणियों में सर्व प्राणियों के अस्तित्व को सुनिश्चित करते है।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

महाविद्यालय में मनाया प्रवेशोत्सव

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में नये प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का प्रवेशोत्सव समारोह एसडी घोड़ावत ओडिटोरियम में 30 जुलाई, 2015 को मनाया गया। इस अवसर पर नवान्गन्तुक छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। प्राचार्या डॉ समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को विकास की चेतनई जागृत कर जीवन को आगे बढाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव प्रो अनिलधर ने सभी के प्रति शुभकामनायें व्यक्त करते हुए जीवन में विकास की दिशा में आगे बढने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जैन विश्वभारती संस्थान में समर स्कूल में भाग लेने वाले विदेशी विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता की। कार्यक्रम का संयोजन दिव्या जांगीड़ व नेहा सोनी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जुगल दाधिच ने किया।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का शुभारम्भ

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में त्रिदिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का शुभारम्भ 22 जुलाई, 2015 को आचार्य तुलसी अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान सेन्टर में हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए संयम की साधना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए प्रेक्षाध्यान के प्रयोग को जरूरी बताते हुए नियमित अभ्यास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ जुगलकिशोर दाधीच ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर समापन के अवसर पर प्राचार्या डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने महिला शक्ति के व्यक्तित्व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि विकास के लिए स्वयं को सक्षम बनाना होगा। छात्रा दीपिका राठौड़, आरती सांखला, कमला पारीक, दिव्या जांगिड़ ने भी अपने अनुभव व्यक्त किए।

एकेकेएम एवं कॉरियर काउन्सलिंग सैल

डांडिया प्रतियोगिता आयोजित

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॉरियर काउंसलिंग सैल के संयुक्ततत्वावधान में 20 अक्टूबर को डांडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगरपालिकाध्यक्ष श्रीमती संगीता पारीक ने कहा कि गरबा नृत्य आस्था से जुड़ा हुआ नृत्य है।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ समणी मल्लीप्रज्ञा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अमिता पारीक, तृप्ति दाधीच, ज्योति भूतोडिया, मानसी खटेड़, सुश्मिता नाहर, वृंदा दाधीच, दीपिका राजपुरोहित, किरण बानो, कलसुम बानो, प्रियंका एवं चेतना सैनी ने प्राप्त किया। इसी प्रकार द्वितीय स्थान पर दिव्या जांगीड़, कमला पारीक, सारिका अग्रवाल, गुंजन जांगीड, पूजा पंवार, विशाखा शर्मा, सोनू सैनी, पूजा जांगीड, प्रभा जांगीड रही एवं तृतीय स्थान मीनू रोड़ा, शीतल प्रजापत, वंदना प्रजापत, कंचन जांगीड, शबिना, सुमित्रा, जौहरा शाहिन, मीनाक्षी ने प्राप्त किया।

अतिथियों द्वारा विजेता प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निर्णायक डॉ अमिता जैन, डॉ मनीषा चौधरी, सुनिता शर्मा एवं किरण फतेहपुरिया थी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम 15 अगस्त 2015 को समारोह पूर्वक मनाया गया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने झण्डारोहण किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति की भावना प्रत्येक नागरिक में होने से ही देश का गौरव बढ़ सकता है। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई।

कार्यक्रम में शिक्षक, विद्यार्थी, अधिकारी, कर्मचारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया।

संस्थान सदस्य नेपाल के सिटी कॉलेज में

जैन विश्व भारती संस्थान के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सदस्यों का एक दल सिटी कॉलेज, विराटनगर (नेपाल) में आपसी परिचयात्मक सम्मिलन के लिए पहूँचा। सिटी कॉलेज के चेयरपर्सन सुरेश नौलखा ने सभी का स्वागत किया। अच्युतराज (सी.ई.ओ.) ने सभी सदस्यों का परिचय दिया एवं श्रीतीर्थराज धीमरे (केम्पस चीफ) ने कॉलेज की समस्त गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। प्रारम्भ में संस्थान के विशेषाधिकारी नेपालचंद गंग ने संस्थान के सभी सदस्यों का परिचय कराया। डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सिटी कॉलेज के सदस्यों ने जैन विश्व भारती संस्थान आने की इच्छा व्यक्त की।

Preksha Life Skill Programme, Bangkok

Eight-day Preksha Life Skill programme was conducted in Bangkok by Samani Akshay Pragya and Samani Vinaya Pragya. 100 Thai and Non-Jain participant to part in it. The programe was appreciated by all.

Preksha Life Skill, Surat

Samani Aagam Pragya and Samani Vinay Pragya conducted PLS in Surat from 20-27 Oct., 2015.

यूथ कॅरियर फैयर का आयोजन

युवा संघर्षों से न घबराएँ- प्रो. जेदिया

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर काउन्सलिंग सैल के तत्वावधान में 29 सितम्बर को आयोजित यूथ कॅरियर फेयर का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय पटना के कुलपति प्रो. श्यामलाल जेदिया ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. श्यामलाल जेदिया ने शिक्षा के साथ संस्कारों की महत्ता बताते हुए इंसानियत से ओत-प्रोत शिक्षा को मानव निर्माण का सोपान बताया। आत्मविश्वास बढ़ाने एवं कॅरियर निर्माण के विभिन्न प्रसंगों को प्रस्तुत करते हुए उन्होंने युवाओं को संघर्षो से न घबराने का आह्वान करते हुए जीवन निर्माण की शिक्षा ग्रहण करने प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. के.एस. सक्सेना ने कॅरियर निर्माण पर व्याख्यान दिया। कॅरियर काउन्सलर के रूप में संबोधित करते हुए उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने विविध प्रसंगों के माध्यम से सफल कैसे बने, व्यक्तित्व विकास, सूचना तकनीक की आवश्यकता एवं भविष्य, साक्षात्कार कैसे दिया जाये, स्किल्स एवं व्यक्तित्व, आई क्यू एवं ई क्यू आदि की विवेचना की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आज जरूरत है कि देश का प्रत्येक नागरिक, नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी की भावना को ग्रहण करे। इससे पूर्व महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत करते हुए कॅरियर फेयर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। स्वागत वक्तव्य के. के. मोदी ने दिया। कॅरियर कॉउन्सलिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन पूजा जैन ने किया। इस कार्यक्रम में अनेक महाविद्यालयों एवं स्कूलों के करीब एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मेले का उद्घाटन

यूथ कॅरियर फैयर में छात्राओं द्वारा विभिन्न पकवानों सहित कॅरियर से जुड़ी सामग्री के स्टॉल लगाये गये। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस फैयर में अनेक लोगों ने शिरकत कर छात्राओं द्वारा लगायी गई प्रदशर्नी का अवलोकन किया। मुख्य अतिथि प्रो. श्यामलाल जेदिया ने बच्चों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं सभी स्टालों का अवलोकन किया। विभिन्न स्टालों में श्रेष्ठ स्टालों का चयन निर्णायकों द्वारा किया गया। निर्णायक का दायित्व विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, पुष्पा मिश्रा एवं डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने निभाया।

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्त्वावधान में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रिय समन्वयकों की राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 27 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एनआईओएस जयपुर के निदेशक केएल गुप्ता ने दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से देश में शिक्षा के विकास की आवश्यकता जतायी। उन्होनें जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को चरित्र निर्माण एवं जीवन निर्माण का विशिष्ट पाठ्यक्रम बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि मूल्यों से प्रेरित शिक्षा से ही व्यक्ति और समाज का विकास संभव है।

कुलसचिव प्रो अनिलधर ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से सरलता से कोई भी व्यक्ति अपनी शिक्षा को आगे बढ़ा सकता है। संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए समन्यकों को क्षेत्रिय स्तर पर और अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर दिल्ली के डॉ राजेश भयाना, सीकर के दुर्गालाल पारीक, सांचौर के युधिष्टर श्रीमाली, जोधपुर की दिव्या राठौड व हनुमानगढ़ के विजयचन्द दुगड को दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन मुमुक्षु सुनिता चिण्डालिया व आभार ज्ञापन जेपी सिंह ने व्यक्त किया। कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से 50 से अधिक समन्वयकों ने भाग लिया। विविध सत्रों के माध्यम से दो दिन तक समन्वयकों को प्रशिक्षण दिया गया।

समापन संस्थान के सेमीनार हॉल में 28 अक्टूबर को समारोह पूर्वक हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने शिक्षा के विविध आयामों की चर्चा करते हुए दूरस्थ शिक्षा में नई तकनीक को जरूरी बताया। समारोह की मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय जोधपुर केन्द्र की निदेशक डॉ ममता भाटिया ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही दूरस्थ शिक्षा को उपयोगी बताया। विशिष्ट अतिथि जोधपुर की शिक्षाविद् डॉ रूपाली श्रीवास्तव ने संस्थान के दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों को मूल्यों से प्रेरित पाठ्यक्रम बताते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय के निर्माण में आचार्य तुलसी जैसे महान संतों का योगदान रहा है, जो अतुल्य है। कार्यक्रम का संयोजन तृप्ति त्रिपाठी ने किया। इससे पूर्व आयोजित सत्र की अध्यक्षता परीक्षा विभाग की नियन्त्रक प्रो रेखा तिवारी ने की। सहायक कुलसचिव दीपाराम खोजा व परीक्षा प्रभारी पंकज भटनागर ने परीक्षा से संबंधित जानकारी दी।

विश्वविद्यालय कैंटीन का शुभारम्भ

जैन विश्वभारती संस्थान के कैंटीन का शुभारम्भ 9 सितम्बर, 2015 को शासन श्री मुनिश्री सुखलालजी स्वामी के सान्निध्य में हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि जैन विश्वभारती देश का संभवतः पहला विश्वविद्यालय है जो नशा मुक्त है। इस अवसर पर जैन विश्वभारती के ट्रस्टी भागचन्द बरडिया ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कैंटीन प्रारम्भ होने से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सुविधा होगी।

कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय परिवार के लिए शुद्ध एवं सात्विक आहार के लिए आवश्यक निधि बताया।

इंसानियत की शिक्षा का केन्द्र है जैन विश्वभारती संस्थान - स्वामी रामानन्द

संस्थान के सेमीनार हॉल में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विश्नोई समाज के मुकाम पीठाधिश्वर रामानन्द महाराज ने कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान इंसानियत की शिक्षा देने वाला प्रमुख केन्द्र है। वयोवृद्ध स्वामी ने कहा कि यह तप स्थली महान संतों की तपस्या का प्रतिफल है। यहां दी जाने वाली शिक्षा मानवीय विकास एवं मानवता की सेवा को समर्पित नागरिक देने में सक्षम है।

इस अवसर पर भुवनेश्वर के वास्तुविद प्रो. रामलाल जैन ने वास्तु विद्या को रेखांकित करते हुए वास्तु को वास्तविकता बताया। उन्होंने जीवन में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए छोटे-छोटे प्रयोग भी बताये। कार्यक्रम में जीव दया संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रामरतन विश्नोई, जैन विश्वभारती के संरक्षक ताराचन्द रामपुरिया, कुलसचिव प्रो. अनिल धर सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

युवा महोत्सव प्रतियोगिता में संस्थान अव्वल

राजस्थान सरकार द्वारा ब्लॉक स्तर पर स्थानीय आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में नवम्बर के प्रथम सप्ताह में आयोजित युवा महोत्सव प्रतियोगिता में जैन विश्व भारती संस्थान के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अव्वल स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अमिता जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम ललिता, आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विमला ठोलिया व द्वितीय स्थान पर सुनिता सहजवानी ने प्राप्त किया। इस प्रकार सुमन मौसुलपुरिया लोक गायन प्रतियोगिता में प्रथम रही। लोक नृत्य प्रतियोगिता में गुंजन चौधरी प्रथम स्थान व शास्त्रीय नृत्य में सुमन स्वामी प्रथम स्थान पर रही।

एनएसएस स्वास्थ्य जांच शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व जीवन विज्ञान प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 14 अक्टूबर, 2015 को किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जीवन रक्षा के लिए समय-समय पर जांच जरूरी है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ सहारण, डॉ सुनयना एवं डॉ ममता ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर सलाह दी। इससे पूर्व कार्यक्रम प्रभारी डॉ बीप्रधान ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम संचालन में डॉ प्रगति भटनागर का सराहनीय योगदान रहा। शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकों एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की।

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी कार्यशाला का आयोजन

अंग्रेजी विभाग के तत्त्वावधान में 28 सितम्बर को एक दिवसीय अंग्रेजी भाषा कार्यशाला का आयोजन संस्थान के सेमीनार हॉल में किया गया। अंग्रेजी शिक्षण समस्या एवं समाधान विषयक कार्यशाला में मुख्य वक्ता केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के डॉ. संजय अरोड़ा ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा के ज्ञान के साथ उसके प्रस्तुतिकरण का ज्ञान भी आवश्यक है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शिक्षक व शिक्षार्थी को विविध भाषाओं के ज्ञान के प्रति सक्रिय होना जरूरी है। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रो. रेखा तिवाड़ी ने स्वागत वक्तव्य दिया।

त्रिदिवसीय लाडनूं हेरिटेज एवं सांस्कृतिक महोत्सव

धरोहरों का संरक्षण जरूरी- कुलपति

संस्थान के तत्त्वावधान में लाडनूं हेरिटेज एवं सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारम्भ 12 दिसम्बर, 2015 को जीवन निवास हवेली में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि धरोहरों का संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने लाडनूं को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने की प्रेरणा दी। प्राच्यविद्या को समर्पित जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कुलपति ने जैन विश्व भारती संस्थान को प्राच्य संस्कृति संरक्षण को समर्पित संस्थान बताया।

मुख्य अतिथि एसडीएम मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान का यह विशिष्ट प्रयास इस नगर के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नगरपालिकाध्यक्ष संगीता पारीक ने लाडनूं नगर में अवस्थित धरोहरों के प्रति सचेत एवं जागरूक होने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मौलाना मोहम्मद साबीर अली सल्फी ने कहा कि लाडनूं हमेशा अपनी हवेलियों के लिए जाना जाता रहा है। यहां साम्प्रदायिक सौहार्द्र की प्रतीक उमरशाह पीर की दरगाह करीब एक हजार वर्ष पुरानी है वही प्राचीन जैन मन्दिर भी एक हजार वर्ष पुराना है। इतिहासकार भंवरलाल जांगिड़ ने लाडनूं का इतिहास प्रस्तुत करते हुए इतिहास से जुड़े अनेक प्रसंगों को बताया। इससे पूर्व बीकानेर लोकायतन संस्थान के गोपालसिंह चौहान ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल ने एवं आभार ज्ञापन प्रो. बीएल जैन ने व्यक्त किया। इसके बाद नगर के लोगों एवं विद्यार्थियों द्वारा हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया।

13 दिसम्बर को विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण का संदेश दिया गया। पेंटिंग व फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय प्रांगण में किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा फोटोग्राफी व पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया वहीं कबाड़ से जुगाड़ एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन के साथ हवेलियों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

14 दिसम्बर को प्रातः काल उमरशाह पीर दरगाह पर सौहार्द्र विषयक सूफी वॉक एवं संगीत का आयोजन किया गया। सूफी गायक हैदराबाद के नीलकण्ठ ने सूफी संगीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने दरगाह समिति को मोमेन्टो भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के पश्चात् सूफी वॉक का आयोजन किया गया। नगर के महानुभाव विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने दरगाह से आधुनिक जैन मन्दिर, प्राचीन छत्रियाँ, राहू कुआ, राहूगेट, सुख सदन होते हुए प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर पर वॉक का समापन किया।

14 दिसम्बर को समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि धरोहरों के संरक्षण के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए।

मुख्य अतिथि इतिहासकार भंवरलाल जांगिड़ ने कहा कि जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय का यह विशिष्ट प्रयास इस नगर के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उमरशाह पीर दरगाह समिति के अध्यक्ष अली अकबर रिजवी ने लाडनूं नगर में अवस्थित धरोहरों के प्रति सचेत एवं जागरूक होने का आह्वान करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना की। जगदीश प्रसाद आर्य ने लाडनूं से जुड़े अनेक ऐतिहासिक प्रसंगों को बताया। कार्यक्रम में कवियित्री श्रीमती प्रेम बेगवानी, सुनिता सहजवानी आदि ने भी अपने विचार रखे।

इससे पूर्व बीकानेर लोकायतन संस्थान के गोपाल सिंह चौहान ने त्रिदिवीय कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए लाडनूं को ऐतिहासिक शहर बताया। अतिथियों का स्वागत प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. अमिता जैन, अमित कल्ला, अजय मिश्रा, पवन शर्मा, प्रेरणा गुप्ता आदि ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ वीरेन्द्र भाटी मंगल ने किया। समापन के पूर्व नीरज जोशी जयपुर ने जल संरक्षण पर विशेष वक्तव्य दिया।

आचार्य महाप्रज्ञ श्रुत संवर्धिनी व्याख्यान माला

महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित 5वीं आचार्य महाप्रज्ञ श्रुत संवर्धिनी व्याख्यान माला के अन्तर्गत अध्यात्म और विज्ञान विषयक व्याख्यान का आयोजन 29 अक्टूबर को किया गया। व्याख्यान देते हुए वेटनरी विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो ए.के. गहलोत ने अध्यात्म को मूल्यों के साथ समन्वय करने की बात करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारपरक एवं चरित्र निर्माण की शिक्षा का होना जरूरी है। आचार्य महाप्रज्ञ को अध्यात्म के शिखर पुरुष बताते हुए प्रो गहलोत ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय स्थापित कर शिक्षा दर्शन को व्यापक बनाया है। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही चरित्र निर्माण की शिक्षा की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि यह विश्व का अनूठा विश्वविद्यालय है जो विद्यार्थियों को वैज्ञानिक चिंतन के साथ अध्यात्म परक शिक्षा से जोड़ रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार जीवन की पहली आवश्यकता होनी चाहिए। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ के विज्ञान दर्शन को प्रस्तुत करते हुए इस विश्वविद्यालय को अध्यात्म एवं विज्ञान परक शिक्षा का प्रशिक्षण केन्द्र बताया। संस्थान के कुलसचिव एवं शोधपीठ के उपनिदेशक प्रो अनिलधर ने स्वागत वक्तव्य देते हुए अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो आरबीएस वर्मा एवं प्रो आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने अतिथियों को शॉल एवं मोमेन्टो भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ सत्यनारायण भारद्वाज एवं आभार डॉ जुगलकिशोर दाधीच ने व्यक्त किया। इस अवसर पर पटाखा निषेध पोस्टर का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

अहिंसा सभी धर्मों का सर्वमान्य चिंतन-प्रो. थॉमस

महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोध पीठ के तत्त्वावधान में चल रहे इण्टरनेशनल समर स्कूल में 31 जुलाई को व्याख्यान देते हुए हारमोनी संस्थान नई दिल्ली के निदेशक प्रो एमडी थॉमस ने कहा कि अहिंसा जैन परम्परा का सर्वोत्तम मूल्य है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर एवं गौतम बुद्ध ने अहिंसा को मूल्य के रूप में स्थापित किया है।

स्व. भंवरलाल सुतलिया स्मृति राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

खेल समिति के तत्त्वावधान में 17 दिसम्बर, 2015 को आयोजित स्व. भंवरलाल सुतलिया स्मृति राज्य स्तरीय त्रिदिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने उपस्थित प्रतिभागियों एवं जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ी केवल शारीरिक क्षमता के आधार पर ही खेलता है ऐसा नहीं है। प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी शारीरिक क्षमताओं के साथ-साथ मानसिक एवं भावनात्मक क्षमता को भी विकसित करना चाहिए।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युग में तनाव एक बड़ी समस्या है। खेल के माध्यम से तनाव को दूर किया जा सकता है। समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक संतुलन को बनाये रखने के लिए खेल नितांत आवश्यक है।

कार्यक्रम का संयोजन करते हुए खेल समिति के समन्वयक डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने इस त्रिदिवसीय प्रतियोगिता के पूरे कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं अतिथियों का स्वागत किया। आभार ज्ञापन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जयपुर से पधारे अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक प्रदीप भाटी, रैफरी-कानसिंह, कोच-भूपेन्द्रसिंह, प्रो. बी.एल. जैन, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, नेपाल पवन गंग, डॉ. विष्णुकुमार, दीपाराम खोजा, डॉ. जसबीर सिंह, डॉ. आभा सिंह, डॉ. सरोज राय, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, दशरथ सिंह, असगर शेख, अनूप खोजा, रामनारायण गेना, इन्दाराम पूनियां आदि व्यक्ति उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता में राजस्थान से हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, डूंगरगढ़, पुष्कर, रतनगढ़, बीदासर, साण्डवा, मलसीसर, लाडनूं, जिली, ओडिण्ट, रोडू, कसुम्बी आदि स्थानों की टीमों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन विश्वविद्यालय के ऑपन ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए निरन्तर खेल के अभ्यास पर ध्यान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सक महेश मिश्रा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि बीकानेर के रैफरी अशोक सैन थे।

खेल सचिव डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने बताया राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्रीगंगानगर की टीम रही, द्वितीय स्थान पर कसुम्बी की टीम रही वहीं तृतीय स्थान पर मलसीसर की टीम रही। अतिथियों द्वारा विजेता टीमों को नकद राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान पर रही टीम को ग्यारह हजार, द्वितीय को पांच हजार एक सौ व तृतीय स्थान पर रही टीम को तीन हजार एक सौ रूपये के नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय द्वारा मैडल पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में रैफरी अशोक सेन का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल एवं आभार ज्ञापन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने व्यक्त किया।

खेल से भावनात्मक विकास- कुलपति

संस्थान द्वारा विविध वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ 15 दिसम्बर, 2015 को समारोह पूर्वक हुआ। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि खेल से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि खेल के विकास के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना चाहिए। खेल सचिव डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि बैडमींटन, कबड्डी, चैस, कैरम, गोला फेंक, दौड़, खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है।

प्रतियोगिताएं संस्थान के खेल कोच भूपेन्द्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में हुई।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

संस्थान द्वारा 18 दिसम्बर को सांस्कृतिक प्रयोगिताएं एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित की गयी जिसमें संस्थान की प्रतियोगिताओं का परिणाम गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राहत अली, द्वितीय स्थान प्रिंस जैन एवं तृतीय स्थान पर नेहा सोनी रही। आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिंस जैन, द्वितीय सुमन महला व ज्योति राजपुरोहित व तृतीय स्थान पर चेतना रही। शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंकिता द्विवेदी, द्वितीय स्थान पर अंकिता मारू रहीं। लोक नृत्य में प्रथम स्थान कविता जांगिड़, द्वितीय भावना जांगिड़, तृतीय ज्योति राजपुरोहित रही। फिल्मी संगीत नृत्य में प्रथम गुंजन चौधरी, द्वितीय सविता एवं तृतीय स्थान पर प्रेम सोलंकी एवं मोनिका रही।

प्रतियोगिताओं के निर्णायक का दायित्व विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, ललित बर्मा, प्रेमलता बेगवानी, अनूप तिवाड़ी, मेघना भूतोड़िया ने संभाला। निर्णायकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं को दिशा-निर्देश देते हुए प्रोत्साहित किया। संचालन डॉ. तृप्ति जैन एवं आभार डॉ अमिता जैन ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता

संस्थान के प्राच्यविद्या एवं भाषा विभाग की शोधछात्रा मनीषा जैन ने 4 से 6 दिसम्बर, 2015 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम् (मान्य विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा में पालि प्राकृत का योगदान विषय में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''आगम साहित्य में दस भक्ति'' विषय पर पत्र वाचन किया।

दो दिवसीय चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन 5-6 दिसम्बर 2015 को दिगम्बर आचार्य श्रीज्ञानसागर महाराज के सानिध्य में ज्ञानसागर साइन्स फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर (म.प्र.) में आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय वैज्ञानिकों के साथ-साथ 6 देशों (सेल्वोनिया, बेल्जियम, इजराइल, जर्मनी, लंदन, यूएसए) से आये विद्वानों व शाधार्थियों ने सम्मेलन के उद्देश्य को पूर्णता प्रदान की। जिसमें संस्थान की शोधछात्रा मनीषा जैन ने 'दस भक्ति में योग' विषय पर पत्र-वाचन किया। जिसका सीधा प्रसारण पारस, अहिंसा टी.वी. जिनवाणी किया गया। कार्यक्रम उपरान्त मनीषा जैन को स्मृति चिन्ह, शॉल तथा प्रशस्ति-पत्र तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

डॉ. वंदना मेहता का हुआ सम्मान

ज्ञानोदय फाउण्डेशन के सौजन्य से कुन्दकुंद ज्ञानपीठ, इन्दौर द्वारा 'भारतीय इतिहास ज्ञानोदय पुरस्कार' संस्थान की सहायक आचार्य डॉ. वन्दना मेहता को प्रदान किया।

यह पुरस्कार 'तेरापंथ में पाण्डुलिपि के लेखन का उद्भव एवं विकास की परम्परा' विषय पर शोध कार्य हेतु प्रदान किया गया। इस पुरस्कार में 21,000 रुपये की नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान भी दिया गया।

कोलकाता के विद्यार्थियों का भ्रमण दल

कोलकाता के सुप्रसिद्ध तकनीकी शिक्षण संस्थान आई लीड के विद्यार्थी 6 नवम्बर को जैन विश्व भारती संस्थान प्रांगण में शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंचे। दल को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शिक्षा के साथ मूल्यों का समावेश ही व्यक्ति को नई पहचान दे सकता है।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए आई लीड के 65 विद्यार्थियों के दल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर ध्यान योग का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप चौपड़ा ने विश्वविद्यालय के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय व शिक्षा विभाग में भी मोटिवेशन दिया।

संवत्सरी पर्व मनाया

18 सितम्बर को जैन विश्वभारती संस्थान में संवत्सरी पर्व पर बोलते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि संवत्सरी आत्मावलोकन का विशिष्ट पर्व है। पर्व की सार्थकता बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमायाचना का अनुसरण कर जीवन को सार्थक बना सकता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिलधर ने संवत्सरी पर्व को महान पर्व बताते हुए सभी से शुद्ध मन से क्षमा याचना की।

कलाकारों ने किया जिम्नास्टिक का प्रदर्शन

संस्थान के ऑपन थियेटर में कानपुर से आये कलाकारों ने जिम्नास्टिक का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिम्नास्टिक के कलाकार वीरेन्द्र राव व घनश्याम ने अपनी कला का सुन्दर प्रदर्शन किया। प्रो. धर ने बताया कि इस अवसर पर कलाकारों ने मल्ल खम्ब, भारोत्तोलन, दांतों से पचास किलो वजनी पाईप उठाना, चार साईकिल एवं तीन व्यक्तियों का वजन एक साथ पांवों से उठाना आदि के हैरतधअंगेज कार्यक्रम किये।

डेंगू से बचाव के लिए विशेष अभियान

संस्थान द्वारा लाडनूं में बढ़ रहे डेंगू के प्रकोप को देखते हुए सितम्बर माह में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। डेंगू से बचाव के लिए विश्वविद्यालय के महिला हॉस्टल, पुरूष हॉस्टल, आवासीय कॉलोनियों में स्वच्छता अभियान चलाकर विशेष सफाई की गई। नालियों एवं गढ्ढों में कीटनाशक डाला गया। डेंगू से बचाव एवं उपचार के लिए विशेषज्ञों की सलाह लेकर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

अहमदाबाद विश्वविद्यालय का भ्रमण दल पहुंचा संस्थान

अहमदाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर हैरिटेज मैनेजमेंट के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का एक शैक्षणिक दल पांच दिवसीय भ्रमण के लिए 15 सितम्बर 2015 को जैन विश्वभारती संस्थान पहुंचा। कुलपति कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि लाडनूं एक ऐतिहासिक शहर है। यह जैन धर्म दर्शन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है। यहां की ऐतिहासिक धरोहरें भी प्राचीन है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने पॉवर प्वाइण्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से संस्थान के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए यहां किये जा रहे प्राच्य विद्या के संरक्षण प्रयास को उत्कृष्ट बताया। शैक्षणिक भ्रमण दल में शामिल विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने संस्थान की समृद्ध लाईब्रेरी एवं आचार्य तुलसी आर्ट गैलेरी, लाडनूं के प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर, आधुनिक जैन मन्दिर एवं लाडनूं की सुप्रसिद्ध हवेलियों का अवलोकन किया। भ्रमण दल के निदेशक डॉ. नीलकमल ने कहा कि लाडनूं की हवेलियों पर शोध कार्य किया जा सकता है।

गुजरात का भ्रमण दल

गुजरात के कच्छ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित बाबा नाहरसिंह इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय के समाजकार्य विभाग के विद्यार्थियों का एक दल शैक्षणिक भ्रमण के लिए 3 अक्टूबर, 2015 को जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय प्रांगण में पहुचे। विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

लोहिया कॉलेज चूरू के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण

जैन विश्वभारती संस्थान में 21 दिसम्बर 2015 को चूरू लोहिया कॉलेज के यूथ डवलपमेंट सेन्टर के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण कर विविध विभागों से सम्बंधित जानकारियां प्राप्त की। विश्वविद्यालय के महाप्रज्ञ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए व्यक्ति को हमेशा अपडेट रहना होगा एवं समय के अनुरूप अपने में कौशल का विकास करना होगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जैन विश्वभारती संस्थान के पुस्तकालय, तुलसी अध्यात्म नीडम, तुलसी कला विथि, आचार्य तुलसी स्मारक सहित अनेक स्थलों का भ्रमण कर अवलोकन किया। महाविद्यालय के प्रो. कमल कोठारी ने आभार ज्ञापन किया।

स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण

10 अक्टूबर को निकटवर्ती डीडवाना के सनराईज स्कूल ऑफ एज्यूकेशन के विद्यार्थियों का एक शैक्षणिक भ्रमण दल जैन विश्वभारती संस्थान पहुंचा। दल द्वारा संस्थान के विभिन्न विभागों का अवलोकन कर संस्थान की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त गयी।

Jain Vishva Bharati Institute
(Deemed University)

Directorate of Distance Education

Organizes

Preksha Life Skill

Personality Development Training Programme

Evolve, Empower and Enlighten

PLS

Integrated Personality Development Training Programme

Certified Course

What is Preksha Life Skill?

Preksha Life Skill is an intensive SOFT Skill Program :

- ✓ To build Character, Confidence and Courage
- ✓ To develop Communication Skill, Public Speaking Skill and Successful Life
- ✓ To empower Emotional Intelligence and Relations

Right Time + Right Effort
for
Effective Communication, Public Speaking, Successful Profession, Emotional Balance and Happy Relations

PLS is designed to impart the required Life Skills to the participants in the shortest possible. PLS is a three level training program categorized as :

1. Red Ribbon 2. Yellow Ribbon 3. White Ribbon

The participant will be recognized as certified teacher or trainee after qualifying the White Ribbon.

First Level - Red Ribbon

Duration	:	10 days, 2.5 hours/class
Evaluation	:	Through power point presentation at the end of the course
Age	:	13 & above
Fee	:	1000 Rs.

Course Content:

✓ Power Point Presentations on the following topics and more :

1. Purposeful Living
2. How to stay Enthusiastic
3. Attitude of Gratitude
4. Attitude to Contribute
5. Anger Management etc.

For more information contact - Email : prekshalskill@gmail.com

UNDERSTANDING JAINISM PROGRAMME

Jain Vishva Bharati Institute
(Deemed University)

LADNUN-341306, District Nagaur, Rajasthan, INDIA
Contact : +91-1581-226230, 224332, 226110, Fax : 227472
Email : jvbiladnun@gmail.com, registrar@jvbi.ac.in

Summer Study Abroad Programme

23rd July to 12th August

Objectives

i. To understand the concept and ideas of Jainism.
ii. To develop understanding and attitude of nonviolence.
iii. To familiarize the participants with the philosophy of creative non-violence in India.
iv. To impart training of Preksha Meditation for emotionally balanced life-style.
v. To establish the importance and relevance of amity for the survival of living being.

Highlights of the Programme

i. Visit to important historical and archaeological places of Rajasthan.
ii. Interaction with spiritual personalities.
iii. Meditation / Yoga session (morning session).
iv. Visit to wild life sanctuary.
v. Cultural interaction with local people of the town for better understanding of culture.
vi. Trekking

Who Can Apply

- Universities and their international study divisions or study abroad programmes
- Universities having programmes offering courses like Cross Cultural, Religious Studies, Peace Studies, Social Science & Humanities
- Institutions with South Asian Studies programme
- Higher education Universities or Council of International Education
- NRI groups or associations
- Trade & Business Delegations or groups
- Individual students.

We Offer

- Credit Courses
- Ancient Language Courses (Learn to Chat in Hindi, Prakrit and Sanskrit)

Fee Structure

For UG/PG the course fee will be US $ 500 / EU 400 and US $ 600 / EU 450 respectively (For Tuition, Residence and Vegetarian Food)

Last Date to Apply

Application : March 31, 2016
Fee : April 15, 2016

How to Apply

Visit : www.jvbi.ac.in
Download the application form and mail to : understandingjsn@gmail.com

Contact Persons

Dr. Anil Dhar
aniljvbi@gmail.com

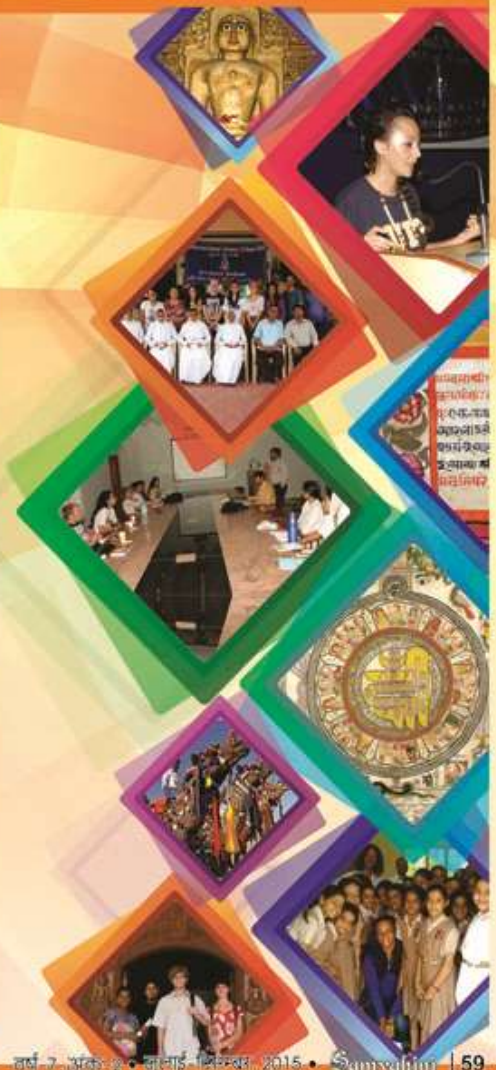

For more information please visit : www.jvbi.ac.in